नई दिल्ली । मंगलवार, 19 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :133 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान...
@ विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा....
@ व्यापार बड़ी गिरावट से उबरा बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान...

देश की पहली बुलेट ट्रेन की झलक : 280 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार का सपना साकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रेलवे मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की तस्वीर प्रदर्शित की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश की पहली प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की तस्वीर रेलवे मंत्रालय में प्रदर्शित की गई है। इसे गेट नंबर 4 पर लगाया गया है।

इससे पहले फरवरी में, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को सूचित किया था कि 508 किलोमीटर लंबा मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर महाराष्ट्र, गुजरात और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगा। इस कॉरिडोर में 12 स्टेशन शामिल होंगे - मुंबई, ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती।

मंत्रालय के अनुसार, गुजरात के आठ स्टेशनों (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आनंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर नींव का काम पहले ही पूरा हो चुका है।

महाराष्ट्र के ठाणे, विरार और बोइसर में निर्माण कार्य वर्तमान में जारी है, जबकि बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन पर खुदाई का काम लगभग पूरा हो चुका है।

परियोजना ने पुलों के बुनियादी ढांचे में भी

महत्वपूर्ण प्रगति की है। सत्रह नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि गुजरात में नर्मदा, माही, ताप्ती और साबरमती नदियों पर चार प्रमुख पुलों का निर्माण कार्य जारी है। महाराष्ट्र में चार अतिरिक्त नदी पुलों का निर्माण कार्य चल रहा है।

अंडरग्राउंड बीकेसी स्टेशन पर खुदाई का काम लगभग 91 प्रतिशत पूरा हो चुका है। घंसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर लंबी समुद्री सुरंग का निर्माण भी हो चुका है। एमएएचएसआर परियोजना सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित की जा रही है, जिसमें चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री और बेंगलुरु स्थित बीईएमएल लिमिटेड संयुक्त रूप से 280 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति प्राप्त करने में सक्षम ट्रेन सेट विकसित कर रही हैं।

वैष्णव ने पहले कहा था कि परियोजना के लिए आवश्यक संपूर्ण 1,389.5 हेक्टेयर भूमि लागू कानूनों के अनुसार अधिग्रहित कर ली गई है। राज्य कानूनों और भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार अधिनियम के तहत प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया जा चुका है।

सरकार ने कहा कि गुजरात और महाराष्ट्र सरकारों के समन्वय से पुनर्वास और पुनर्स्थापन उपाय किए गए हैं, साथ ही प्रभावित लोगों को अतिरिक्त लाभ और मुआवजा भी दिया गया है।

सैन्य संघर्ष से हल नहीं किया जा सकता कोई मुद्दा : मोदी

एजेंसी ■ ओस्लो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तनाव के माहौल के बीच नई दिल्ली के भू-राजनीतिक रुख को मजबूती से रेखांकित किया। उन्होंने सोमवार को पश्चिम एशिया संकट और यूक्रेन युद्ध के तत्काल समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की पैरवी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती है।

स्वीडन से ओस्लो पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने नॉर्वे के समकक्ष जोनस गाहर स्टोरे के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और नॉर्वे दोनों नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और सक्रिय कूटनीतिक सहभागिता के प्रति साझा दृष्टिकोण रखते हैं।

'शांति के हर प्रयास का समर्थन करेंगे'

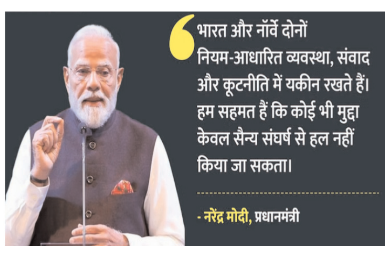

उन्होंने कहा, भारत और नॉर्वे दोनों नियम-आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम सहमत हैं कि कोई भी मुद्दा केवल सैन्य संघर्ष से हल नहीं किया जा सकता। मौजूदा वैश्विक संकटों पर प्रधानमंत्री ने कहा, चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष के शीघ्र अंत और शांति के लिए हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे। नॉर्वे की यात्रा पीएम मोदी के चार यूरोपीय देशों के दौरे का एक अहम चरण है।

'बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता'

प्रधानमंत्री ने बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वैश्विक सहयोग को और गहरा किया जा सके। उन्होंने कहा, हम इस बात पर भी सहमत हैं कि वैश्विक संस्थानों में सुधार बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी है। पीएम मोदी ने आगे जोर देकर कहा, आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।

पहलगाम हमले के बाद समर्थन के लिए आभार जताया

प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले को याद किया। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे और इस संकट के दौरान ओस्लो ने नई दिल्ली के लिए कूटनीतिक समर्थन जताया था। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के नेतृत्व वाले हिंद-प्रशांत महासागर पहल में नॉर्वे के औपचारिक रूप से शामिल होने का स्वागत किया और इसे समुद्री सहयोग को बढ़ाने वाला कदम बताया।

एकतरफा फैसलों की बजाय सहयोग बेहतर परिणाम देता है

ओस्लो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गाहर स्टोरे ने कहा कि दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता के बीच कूटनीति, व्यापार और तकनीक को हथियार बनाने की कोशिशों के खिलाफ सभी देशों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अलगाव और एकतरफा फैसलों की बजाय सहयोग बेहतर परिणाम देता है।

मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से नवाजा गया

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी को अपने सबसे बड़े सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से नवाजा। यह पीएम मोदी को मिला 32वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। एक दिन पहले ही भारत के प्रधानमंत्री को स्वीडन में सर्वोच्च सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' (कमांडर ग्रैंड क्रॉस) से सम्मानित किया गया था। पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

इस दौरान दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में अलग-अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद दोनों नेताओं ने अपना संबोधन दिया। नॉर्वे में भारतीय समुदाय के लोगों ने पूरी गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट के जरिए भावनाएं व्यक्त की।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर हादसा, 13 की मौत

एजेंसी ■ पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर सोमवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। यह हादसा धाणीवरी इलाके के पास हुआ, जहां बारातियों से भरे टेंपो और एक तेज रफ्तार कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हादसे पर दुख जताते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'यह बेहद दुखद है कि मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर के दहानू में एक दुर्घटना में 13 लोगों की जान चली गई, जब एक टेम्पो की टक्कर एक कंटेनर से हो गई। इस घटना के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं उन सभी के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस घटना में लगभग 20 लोग घायल हुए हैं। उन्हें कासा के उप-जिला अस्पताल और धुंदलवाड़ी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मैं जिला प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं। पुलिस अधीक्षक स्वयं घटनास्थल पर मौजूद थे। वहां बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायलों की हालत में शीघ्र सुधार हो। राज्य सरकार इस घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी।'

जानकारी के मुताबिक, सोमवार दोपहर करीब 3 बजकर 30 मिनट के आसपास यह हादसा हुआ। बारातियों से भरा टेंपो दहानू के बापू गांव से धाणीवरी में एक शादी समारोह में जा रहा था। जैसे ही यह वाहन धाणीवरी इलाके के पास पहुंचा, तभी सामने से गुजरात की ओर से मुंबई जा रहा एक तेज रफ्तार कंटेनर अचानक अनियंत्रित हो गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर बारातियों से भरे टेंपो पर पलट गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयानक था कि कई लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर बिखरे मलबे और घायल लोगों को देखकर वहां मौजूद लोग भी दहशत में आ गए।

पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत पाने की दोषी विनेश खुद हैं, पूर्व कुश्ती कोच का बड़ा आरोप

एजेंसी ■ लखनऊ

भारतीय कुश्ती टीम के पूर्व कोच विनोद कुमार ने विनेश फोगाट पर बड़े आरोप लगाए। विनोद कुमार ने मीडिया से चर्चा में कहा कि ओलंपिक में वजन विवाद को लेकर विनेश को ही दोषी ठहराया है।

भारतीय कुश्ती टीम के पूर्व कोच विनोद कुमार ने अमर उजाला संवाद में शिरकत की। अमर उजाला समूह उत्तर प्रदेश की राजधानी में संवाद उत्तर प्रदेश 2026 का आयोजन कर रहा है। इसमें विनोद कुमार भी पहुंचे। उनके साथ पूर्व

पहलवान संग्राम सिंह और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत भी मौजूद थे। विनोद कुमार ने इस दौरान महिला पहलवान विनेश फोगाट पर निशाना साधा और कहा कि ओलंपिक में पदक नहीं जीत पाने की दोषी खुद विनेश हैं।

क्या था विवाद ?

विनेश पेरिस ओलंपिक में अपने वजन वर्ग के फाइनल में पहुंच गई थीं। स्वर्ण पदक के मैच से पहले उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया था जिस कारण उन्हें मैच के लिए अयोग्य घोषित किया गया और विनेश पदक लाने से चूक गईं थीं। इसे लेकर उस वक्त काफी विवाद भी हुआ था और विनेश ने खेल पंचाट में अपील भी की थी, लेकिन वहां भी उनके हाथ निराशा लगी थी।

मॉडल ट्विशा की मौत पर बना संस्पेंस, चैट में बार-बार घर का माहौल नर्क कहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भोपाल की मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला हर दिन और उलझता जा रहा है। मौत से महज पांच दिन पहले मां को भेजे गए व्हाट्सएप मैसेज में ट्विशा ने ससुराल वालों और पति पर मानसिक प्रताड़ना, चरित्र पर शक और भी कई आरोप लगाए थे।

वहीं सास गिरिबाला सिंह ने कोर्ट में जमानत अर्जी में ट्विशा पर ड्रग्स लेने का गंभीर आरोप लगाया है। दोनों पक्षों के दावों ने पूरे मामले को और उलझा दिया है। ट्विशा शर्मा की शादी 9 दिसंबर 2025 को दिल्ली में समर्थ सिंह के साथ हुई थी। यह शादी एक मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए से तय हुई

थी। ट्विशा पहले तेलुगु फिल्मों समेत कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी थीं और मॉडलिंग भी करती थीं। शादी के बाद वह भोपाल में ससुराल आ गई थीं।

व्हाट्सएप मैसेज से उलझी डेथ मिस्ट्री

7 मई 2026 को ट्विशा ने अपनी मां को कई व्हाट्सएप मैसेज भेजे। इनमें उन्होंने लिखा, 'बहुत परेशान हूं... ये लोग बहुत घटिया हैं।' ट्विशा ने आरोप लगाया कि उनका पति समर्थ सिंह उनके चरित्र पर शक करता था और पूछता था कि 'पेट में पल रहा बच्चा किसका है?'

उन्होंने मां से गुहार लगाई, 'मुझे यहां से आकर ले जाओ... ये लोग मुझे जीने नहीं देंगे।' चैट में ट्विशा ने बार-बार घर का माहौल नर्क बताते हुए मानसिक रूप से टूटने की बात दोहराई थी।

सास गिरिबाला सिंह के आरोप

12 मई 2026 की रात करीब 10 बजे ट्विशा ने घर की छत पर सरिये से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जैसा कि सास की जमानत अर्जी में दावा किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पति समर्थ सिंह फरार है।

सीना तान कर कह सकता हूं कि भारत अब नक्सल-मुक्त : अमित शाह

जगदलपुर में शहीदों के परिजनों, सीएपीएफ और नक्सल पीड़ितों के साथ की मुलाकात

संवाददाता ■ रायपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में शहीदों के परिजनों, सीएपीएफ और नक्सल पीड़ितों के साथ मुलाकात व चर्चा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, नक्सलमुक्त राज्यों के पुलिस महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह सीना तानकर कह सकते हैं कि भारत नक्सल मुक्त हो चुका है। यह ऐसा सपना था, जिसे साकार करने के लिए हजारों जवानों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि 6 दशकों तक नक्सलवाद को देश की जनता ने एक दु:स्वप्न की तरह झेला है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लिए तो यह भीषण रक्तपात, विकास का अंधेरा और युवाओं के सामने अंधकारमय भविष्य था ही, परंतु जिन राज्यों में नक्सलवाद नहीं था, वहाँ के लोग भी

संवेदनशीलता के साथ इस क्षेत्र की चिंता करते थे। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि तीन पीढ़ियों तक जिस नक्सलवाद को समाप्त नहीं किया जा सका, उसे हमारे वीर जवानों ने मात्र तीन वर्षों में समाप्त कर दिखाया।

अमित शाह ने कहा कि 21 जनवरी 2024, 24 अगस्त 2024 और 31 मार्च 2026 की तीन तारीखें नक्सल उन्मूलन के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखी जाएंगी। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनने के बाद नक्सलवाद पर 21 जनवरी 2024 को नक्सलवाद पर पहली बैठक हुई, 24 अगस्त 2024 को 31-03-2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प, और 31 मार्च 2026 को इस संकल्प की पूर्ति - ये तीन तिथियाँ नक्सलमुक्त भारत अभियान के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होंगे। माँ दंतेश्वरी की कृपा है कि आज 31 मार्च 2026 को नक्सल मुक्त बस्तर बनाने का हमारा लक्ष्य आखिरकार पूरा हो गया।

गृह मंत्री ने कहा कि आज बस्तर में शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा प्रकल्प की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारे लगभग 200 [illegible] कैंप हैं। ये 200 कैंप अब तक यहां के आदिवासियों, किसानों, बच्चों और महिलाओं की नक्सलियों से सुरक्षा का काम करते थे। इन 200 में से 70 कैंप शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा के नाम से जाने जाएंगे और इस क्षेत्र को विकसित करने का मॉडल बनेंगे। उन्होंने कहा कि यहाँ से 371 योजनाओं का काम ऑनलाइन हो सकेगा। राशन कार्ड और आधार कार्ड जन सेवा केन्द्र से बन सकेगा, साथ ही सस्ता अनाज नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, बैंक अकाउंट भी इस केन्द्र से ऑपरेट हो सकेगा। स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह डेयरी मिल्क कलेक्शन सेंटर का भी काम करेगा। अच्छी खेती करने के लिए कृषि विभाग का मार्गदर्शन भी मिलेगा। यहाँ कौशल विकास केंद्र ग्रामीणों के रोजगार का केंद्र बनेगा और वहीं प्रौढ़ शिक्षा का काम शुरू होगा।

उर्वरक सब्सिडी बिल में हुई भारी वृद्धि

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण आयात लागत बढ़ने से चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च करीब 15,000 करोड़ रुपए तक बढ़ सकता है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने सब्सिडी खर्च बढ़ने की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इसमें कितनी प्रतिशत वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा, 'सब्सिडी बिल जरूर बढ़ेगा, लेकिन यह कितने प्रतिशत बढ़ेगा, फिलहाल मैं नहीं कह सकती।' लागत बढ़ने के बावजूद शर्मा ने कहा कि 2026 खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता 'संतोषजनक' बनी हुई है। कुल 390 लाख टन की आवश्यकता के मुकाबले 51 प्रतिशत से अधिक स्टॉक उपलब्ध है और बाकी जरूरत को विभिन्न देशों से आयात के जरिए पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश में उर्वरकों का कुल भंडार 200.9 लाख टन है। शर्मा ने कहा, 'कुल मिलाकर स्थिति मजबूत, स्थिर और आरामदायक बनी हुई है' देश में घरेलू उत्पादन करीब 80,000 टन प्रतिदिन की दर से चल रहा है। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से अब तक 86.2 लाख टन उर्वरक उत्पादन हुआ है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 93 लाख टन था। उन्होंने कहा कि यूरिया संयंत्रों के लिए पर्याप्त गैस आपूर्ति उपलब्ध है। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के क्षेत्रों से उर्वरकों का आयात बढ़ाया है और अब तक करीब 22 लाख टन उर्वरक आयात किए जा चुके हैं।

उर्वरक विभाग यूरिया और जटिल उर्वरकों के उत्पादन के लिए जरूरी अन्य कच्चे माल की उपलब्धता की भी समीक्षा कर रहा है। इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए हर सप्ताह सब्सिडी भुगतान किया जा रहा है। पीक डिमांड यानी मांग चरम पर होने के दौरान, किसी भी प्रकार की कमी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय उर्वरक कंपनियों ने वैश्विक स्तर पर 12 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4 लाख मीट्रिक टन टीएसपी और 3 लाख मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट के लिए संयुक्त वैश्विक निविदाएं शुरू की हैं। इसके अतिरिक्त, 5.36 लाख मीट्रिक टन अमोनिया और 5.94 लाख मीट्रिक टन सल्फर सहित कच्चे माल की खरीद के लिए भी निविदाएं प्रक्रियाधीन हैं।

भारत किसी भी प्रकार के न्यूक्लियर ब्लैकमेल को स्वीकार नहीं करेगाः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। भारत परमाणु हथियार पहले इस्तेमाल न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है। भारत की नीति हमेशा शांति और जिम्मेदारी पर आधारित रही है, लेकिन भारत किसी भी प्रकार के 'न्यूक्लियर ब्लैकमेल' को स्वीकार नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत को परमाणु धमकी देने की कोशिश करेगा, तो भारत उसके सामने झुकने वाला नहीं है। यह बात सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को वियतनाम की राजधानी हनोई में भारत की परमाणु नीति का जिक्र करते हुए कही।

रक्षामंत्री राजनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने एक बार फिर दुनिया को देश की सैन्य क्षमता, साहस और निर्णायक शक्ति का परिचय कराया। भारतीय जवानों ने जिस प्रकार अद्भुत पराक्रम दिखाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि आज का भारत कमजोर नहीं, बल्कि हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम एक मजबूत और आत्मविश्वासी राष्ट्र है।

सोमवार को हनोई पहुंचे राजनाथ सिंह ने भारतीय समुदाय से संवाद के दौरान पाकिस्तान की ओर इशारा किया। रक्षामंत्री ने कहा कि जब-जब भारत के खिलाफ आतंकवाद या अस्थिरता फैलाने की कोशिश हुई है, भारत ने उसका मजबूती से जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ शक्तियां प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकवाद को बढ़ावा देकर भारत को अस्थिर करने का प्रयास करती हैं, लेकिन भारत अब ऐसे प्रयासों को सहन नहीं करेगा।

रक्षामंत्री ने कहा कि देश के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका कर्तव्य, ईमानदारी और राष्ट्रहित की भावना की होती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को कभी केवल पद या प्रतिष्ठा के लिए काम नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी को सर्वोपरि रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज में अक्सर बड़े पदों पर बैठे लोगों को अधिक महत्व दिया जाता है, लेकिन वास्तव में हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण होता है। यदि कोई व्यक्ति अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाता है, तो वही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बनता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अहंकार से बचना चाहिए, क्योंकि अहंकार व्यक्ति के पतन का कारण बनता है। विनम्रता, अनुशासन और सेवा की भावना ही व्यक्ति को महान बनाती है।

तमिलनाडुः सीएम विजय ने 'अम्मा कैंटीन' के नवीनीकरण और पुनरुद्धार का आदेश दिया

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को बड़ा फैसला लिया है। सीएम विजय ने राज्यभर में अम्मा उनावगम (अम्मा कैंटीन) के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री का यह निर्णय आम जनता को सस्ता, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपने आदेश में कहा कि तमिलनाडु में वर्तमान में ग्रेटर चेन्नई नगर निगम के अंतर्गत 383 अम्मा कैंटीनें संचालित हैं, और अन्य नगर निगमों और नगरपालिकाओं के अंतर्गत 237 अम्मा कैंटीनें चल रही हैं।

हाल ही में मुख्यमंत्री के ध्यान में यह बात लाई गई है कि इन कैंटीनों में परोसे जाने वाले 20,000 प्रकार के भोजन की गुणवत्ता और स्वाद संतोषजनक नहीं है। इसके मद्देनजर, मुख्यमंत्री ने संबंधित सरकारी विभागों के सचिवों से परामर्श करके निर्देश दिया है कि अम्मा कैंटीनों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा सुविधाओं का उन्नयन किया जाए, रसोई उपकरण तुरंत खरीदे जाएं, और जनता को बिना किसी रुकावट के लगातार स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिया है कि इस नवीनीकरण कार्य और सामग्री की खरीद का खर्च नगर निगमों और नगरपालिकाओं के सामान्य कोष से वहन किया जाएगा।आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस समय ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के अंतर्गत 383 अम्मा कैंटीनें संचालित हो रही हैं, जबकि राज्य के अन्य निगमों और नगरपालिकाओं में 237 कैंटीनें चल रही हैं। इन कैंटीनों को शुरू में पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता ने गरीबों के लिए सस्ता भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया था।

वैश्विक अस्थिरता के बीच कर्नाटक ने मानसून की फसलों के लिए उर्वरक की कमी की चेतावनी दी

बेंगलुरु। कर्नाटक कृषि मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष यूरिया उर्वरक का प्रारंभिक भंडार काफी कम है। मंत्रालय ने बताया कि 2023 में प्रारंभिक भंडार 3.91 लाख मीट्रिक टन, 2024 में 5.41 लाख मीट्रिक टन और 2025 में 3.46 लाख मीट्रिक टन था। हालांकि, चालू वर्ष में केवल 2.80 लाख मीट्रिक टन ही उपलब्ध है।

कृषि मंत्री ने सोमवार को कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे संकट के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरकों और उर्वरक उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल, जैसे अमोनिया, द्रवीकृत प्राकृतिक गैस, फॉस्फोरिक एसिड और सल्फ्यूरिक एसिड के आयात में अस्थिरता उत्पन्न हो गई है। इसके परिणामस्वरूप, राज्य में 2026 के मानसून सीजन के दौरान उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है, जिससे कर्नाटक भर में उर्वरकों की उपलब्धता बाधित हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा यूरिया और डायमोनियम फॉस्फेट उर्वरकों की आपूर्ति मांग के अनुपात में नहीं की गई है। इस कारण मानसून फसल सीजन के दौरान उर्वरकों की कमी होने की आशंका है। वर्तमान मानसून सीजन के लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न श्रेणियों के कुल 30.05 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित किए हैं। इसमें 11.10 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.00 लाख मीट्रिक टन डायअमोनियम फॉस्फेट, 2.12 लाख मीट्रिक टन म्यूरिएट ऑफ पोटाश, 11.88 लाख मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स उर्वरक और 0.95 लाख मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले उपलब्ध प्रारंभिक भंडार पर विचार किए बिना, मांग के अनुसार यूरिया सहित सभी उर्वरकों का आवंटन और आपूर्ति की थी। इसके परिणामस्वरूप, राज्य में फिलहाल किसी भी प्रकार के उर्वरक की कमी नहीं है। अप्रैल में विभिन्न श्रेणियों के उर्वरकों की 4.02 लाख मीट्रिक टन की मांग के मुकाबले, केंद्र सरकार ने केवल 2.54 लाख मीट्रिक टन की आपूर्ति की, जिसके परिणामस्वरूप 1.48 लाख मीट्रिक टन की कमी रह गई।

उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से 0.38 लाख मीट्रिक टन डायअमोनियम फॉस्फेट और 0.14 लाख मीट्रिक टन यूरिया की कमी है। इसी प्रकार, मई माह में अब तक विभिन्न ग्रेड के उर्वरकों की 4.54 लाख मीट्रिक टन की मांग के मुकाबले केंद्र सरकार ने केवल 1.77 लाख मीट्रिक टन की आपूर्ति की है, जबकि 2.77 लाख मीट्रिक टन की आपूर्ति अभी बाकी है। उन्होंने आगे बताया कि लंबित मात्रा में मुख्य रूप से 0.65 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 0.78 लाख मीट्रिक टन डायअमोनियम फॉस्फेट शामिल हैं।

आरबीआई ने गुनवीर सिंह को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर किया पदोन्नति

मुंबई । सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि गुनवीर सिंह को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) यानी कार्यकारी निदेशक पद पर पदोन्नति किया गया है।

पदोन्नति से पहले गुनवीर सिंह आरबीआई के पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स विभाग में चीफ जनरल मैनेजर-इन-चार्ज के पद पर कार्यरत थे।

एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में उनकी नियुक्ति सोमवार से प्रभावी हो गई है।

आरबीआई ने बताया कि अपनी नई भूमिका के साथ गुनवीर सिंह पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स विभाग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, 'आरबीआई ने 18 मई 2026 से गुनवीर सिंह को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया है।'

बयान में आगे कहा गया, 'ईडी पद पर पदोन्नति से पहले सिंह बैंक के पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स विभाग में चीफ जनरल मैनेजर-इन-चार्ज के रूप में कार्य कर रहे थे।'

गुनवीर सिंह के पास आरबीआई में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम, बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग सुपरविजन, रिस्क मॉनिटरिंग और सरकारी बैंकिंग जैसे कई क्षेत्रों में काम किया है।

आरबीआई ने कहा, 'सिंह के पास रिजर्व बैंक में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम्स, बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग सुपरविजन, रिस्क मॉनिटरिंग, गवर्नमेंट बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में कार्य किया है।'

उन्होंने ओमान के केंद्रीय बैंक में पेमेंट सिस्टम्स एक्सपर्ट के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

आरबीआई के अनुसार, गुनवीर सिंह चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ-साथ कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट भी हैं।

केंद्रीय बैंक ने अपने बयान में कहा, 'एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में सिंह पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स विभाग का कामकाज संभालेंगे।

भरतपुर : पानी संकट पर फूटा महिलाओं का गुस्सा, जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर फोड़े मटके

जयपुर । राजस्थान के भरतपुर शहर के अनिरुद्ध नगर क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से पेयजल संकट गहराने के बाद महिलाओं का गुस्सा सोमवार को जलदाय विभाग कार्यालय पर फूट पड़ा। परेशान महिलाओं ने जलदाय विभाग के बाहर मटके फोड़कर प्रदर्शन किया और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

महिलाओं का आरोप है कि कॉलोनी में पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई बंद है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग

के अधिकारी को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि पानी नहीं आने से घरों में दैनिक कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लोगों को नहाने और पीने के पानी तक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इसी के साथ महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी सप्लाई बहाल नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अनिरुद्ध नगर निवासी क्रांति ने बताया कि करीब 10 दिन पहले तक कॉलोनी में पानी आ रहा था, लेकिन उसका कोई निश्चित समय नहीं था।

कभी देर रात 3 बजे तो कभी सुबह 6 बजे पानी आता था। अब पिछले 10 दिनों से पानी पूरी तरह बंद है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को मजबूरी में महंगे दामों पर टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं।

महिलाओं ने बताया कि एक पानी के टैंकर के लिए करीब 2 हजार रुपए तक चुकाने पड़ रहे हैं। पीने का पानी भी बाजार से खरीदना पड़ रहा है। पानी की कमी का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है, क्योंकि सुबह पानी की व्यवस्था करने में समय लग जाता है और बच्चे स्कूल देर से पहुंचते हैं।

वहीं, मामले को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारी केशव देव पांडे ने कहा कि विभाग के पास पहले इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई थी। सोमवार को महिलाओं द्वारा शिकायत किए जाने के बाद मामले की जांच करवाई जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंगलवार तक कॉलोनी में पानी सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

सड़क पर नमाज को लेकर योगी आदित्यनाथ बोले- प्यार से मानेंगे तो ठीक नहीं दूसरा तरीका अपनाएंगे

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली सरकारों में यह राज्य कट्टा-बम, दंगे और माफिया संस्कृति के लिए जाना जाता था, जबकि आज यूपी की पहचान ब्रह्मोस मिसाइल, डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे, इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स और निवेश डेस्टिनेशन के रूप में है। इस दौरान उन्होंने सड़क पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर लोगों को सलाह देने के साथ चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और सकारात्मक शासन की बदौलत उत्तर प्रदेश बॉटम-2 से निकलकर टॉप-2 राज्यों में पहुंचा है। राज्य में अराजकता व अव्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस है। राह चलती बेटी से छेड़खानी करने वाले की रावण व दुर्योधन जैसी दुर्गति होगी।

सड़क पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर उन्होंने दो टूक कहा कि नमाज पढ़नी है तो शिफ्ट में पढ़िए, हम रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। मौजूदा दौर में पत्रकारिता पर अपने विचार रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सनसनी व फेक न्यूज समाज में अराजकता फैलाती हैं, जबकि सकारात्मक और संवेदनशील पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूत करती है। सीएम योगी सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

चंडीगढ़ सिटिजंस फाउंडेशन ने बुजुर्गों के लिए शुरू किया 'प्रोजेक्ट सेवा', देखभाल पर रहेगा फोकस

चंडीगढ़। ट्राइसिटी के वरिष्ठ नागरिकों के साथ जुड़ाव और उनकी सहायता की दिशा में एक नई पहल करते हुए चंडीगढ़ नागरिक फाउंडेशन (सीसीएफ) ने 'प्रोजेक्ट सेवा' की शुरुआत की है। यह एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य बुजुर्गों की भावनात्मक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक जरूरतों को पूरा करना है। साथ ही मेडिकल इमरजेंसी के दौरान उन्हें सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

सीसीएफ ने इस परियोजना को पायलट आधार पर चंडीगढ़ के सेक्टर-27 डी में शुरू किया है। इसके लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), साझेदार कल्याण समितियों और स्थानीय निवासियों को भी जोड़ा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर वरिष्ठ नागरिकों को समय पर मदद मिल सके।

इस पहल का मुख्य फोकस 70 वर्ष से अधिक उम्र के उन बुजुर्गों पर रहेगा, जो अकेले रहते हैं या परिवार के साथ रह रहे हैं। सीसीएफ का उद्देश्य उनकी अकेलेपन की भावना को दूर करना, सामुदायिक जुड़ाव बढ़ाना और उन्हें दिनभर विभिन्न गतिविधियों में शामिल करना है। इनमें बागवानी, मंदिर दर्शन, पार्क में सैर और अन्य सामाजिक गतिविधियां शामिल हैं।

इन गतिविधियों के जरिए बुजुर्गों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। यह पहल सीसीएफ के उस उद्देश्य के अनुरूप है, जिसमें कहा गया है कि 'ऐसा पड़ोस बनाया जाए, जहां कोई भी बुजुर्ग खुद को अकेला महसूस न करे और जहां सम्मान, साथ और देखभाल रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हों।'

इस पहल के तहत सेक्टर-27 डी में करीब 30 वरिष्ठ नागरिकों से आरडब्ल्यूए अध्यक्ष और स्वयंसेवकों ने मुलाकात की तथा उन्हें सामुदायिक गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

सीसीएफ की टीम, जिसमें कई प्रतिष्ठित डॉक्टर भी शामिल हैं, ने बुजुर्गों की जरूरतों का आकलन किया और उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। इसके बाद अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों से नियमित मुलाकात के लिए पड़ोस के स्वयंसेवकों और परिवार के सदस्यों की व्यवस्था की गई, ताकि उनका अकेलापन कम किया जा सके।

सीसीएफ ने चौबीसों घंटे चलने वाले 'एक्टिविटी सेशन' भी आयोजित किए हैं, जिनमें इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार की गतिविधियां शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में वरिष्ठ नागरिक आपस में जुड़ सकेंगे, बातचीत कर सकेंगे और हल्के-फुल्के पल साझा कर सकेंगे। गतिविधियों में भजन गायन, फिल्मी गीत, समसामयिक विषयों पर चर्चा, शतरंज और पहेलियों जैसे मनोरंजक खेल शामिल किए गए हैं।

पार्क में वॉक और सुबह के सत्रों के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को प्रशिक्षित स्पोर्ट्स वॉलंटियर्स द्वारा एरोबिक्स, योग, गायन, नृत्य और मजेदार खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। 'प्रोजेक्ट सेवा' की खास बात यह है कि इसके तहत आयोजित सभी कार्यक्रम और गतिविधियां सीसीएफ के बैनर तले ही संचालित की जा रही हैं और इसमें किसी बाहरी एजेंसी की भागीदारी नहीं है।

गौरतलब है कि सीसीएफ की शुरुआत एक वर्ष पहले ट्राइसिटी में अधिक टिकाऊ और समावेशी चंडीगढ़ के निर्माण के उद्देश्य से की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

भारत भर के मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे!

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहित पूरे में ऑल इंडिया कॉमर्स ऑफ केमिस्ट्स एंड फार्मिस्ट्स (एआईओसीडी) ने 20 मई, 2026 को राष्ट्रीय हड़ताल की घोषणा की है। इस हड़ताल का मुख्य कारण ऑफ़लाइन बिक्री का विरोध बताया जा रहा है। दवा का कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का पारंपरिक मेडिकल स्टोर्स के व्यवसाय पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है, साथ ही बिना किसी पर्यवेक्षण के बिक्री की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। इस स्ट्राइक का व्यापक असर छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में देखने को मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ ने नशाबंदी पर रोक लगाने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये हैं। प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आम नागरिकों, गरीबों और आपातकालीन सेवाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था वितरण व्यवस्था तैयार की गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जीवन रक्षक कर्मचारी, आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारी और आवश्यक रसायन सामग्री की समीक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाए। फार्मास्युटिकल और स्वास्थ्य पेशेवरों में औषधियों का स्टॉक बनाए रखने के लिए भी आदेश दिए गए हैं। दवा उत्पादकों ने केंद्र एवं राज्य सरकार से जनस्वास्थ्य सुरक्षा और लाखों कंपनियों की सुरक्षा करने के लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने का आग्रह किया है।

डामर का वैकल्पिक रास्ता निकाले, सुधारे सड़कों की दशा : उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुये कहा है कि मिडिल ईस्ट एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप हो रही डामर की अनुपलब्धता के कारण सड़कों के डामरीकरण का कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहे, जबकि राशि स्वीकृत कर निविदा आदि की कार्यवाही बहुत पहले की पूरी कर ली गई है, अतः उच्च स्तर पर चर्चा कर वैकल्पिक रास्ता निकाले तथा सड़कों की दशा सुधारें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात से पूर्व नालों एवं नालियों का निर्माण कार्य अनिवार्य रूप से पूरा करायें, विकास कार्यो में अपेक्षित गति लायें तथा जिन निर्माण एजेंसियों द्वारा कार्यो में लापरवाही दिखाई जा रही है, उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें, उन्हें ब्लेकलिस्ट करें। उक्ताशय के निर्देश उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा में आयोजित विकास कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। मंत्री देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी, पं.रविशंकर नगर एवं बालको जोन के अधिकारियों व वार्ड पार्षदों की बैठक लेकर इन तीनों जोन के 28 वार्डो के विकास कार्यो की वार्डवार समीक्षा की। बैठक के दौरान महापौर संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी सहित अन्य वार्ड पार्षद उपस्थित थे।

जनता को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगवाएंगे : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। भीषण गर्मी के इस दौर में आम जनता को बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े, इसे लेकर रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल लगातार मैदान में उतरकर जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने राजधानी रायपुर के जोन-5 अंतर्गत अश्विनी नगर में आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' के जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर में शामिल होकर आम नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने बिजली, पानी, पेंशन, सफाई, स्वास्थ्य, राजस्व और अवैध शराब बिक्री से जुड़ी शिकायतें सांसद बृजमोहन अग्रवाल के समक्ष रखीं। सांसद अग्रवाल ने हर समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि भीषण गर्मी में जनता को राहत मिलना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है, बहाने नहीं। सांसद बृजमोहन ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भाजपा सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगा रही है, लेकिन आम लोगों को बिना वजह सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगवाना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'छत्तीसगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी मजबूती'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने डायल 112 और फॉरेंसिक मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राजधानी रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में छत्तीसगढ़ की 'अत्याधुनिक डायल 112' आपातकालीन सेवा तथा आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल वैन के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप-मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की आपातकालीन सहायता प्रणाली का विस्तार करना और नए आपराधिक कानूनों के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता को मजबूत करना है।

वर्ष 2018 से संचालित डायल 112 आपात सेवा का दायरा बढ़ाते हुए इसे अब राज्य के सभी 33 जिलों में पूरी तरह लागू कर दिया गया है, जो पहले केवल 16 जिलों तक सीमित थी। इस नए और उन्नत चरण के तहत संपूर्ण व्यवस्था को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और त्वरित बनाया गया है। सुरक्षा मानकों और सहायता क्षमता को मजबूत करने के लिए डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्थान पहचान तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे संकट में फंसे व्यक्ति की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का सटीक पता लगाया जा सकेगा।

इसके साथ ही, आपातकालीन कॉल और आंकड़ों का संचालन बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए सिविल लाइंस स्थित प्राथमिक नियंत्रण केंद्र के अतिरिक्त नया रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में वैकल्पिक बैकअप प्रणाली पर आधारित दूसरा नियंत्रण केंद्र भी सक्रिय किया गया है। यह केंद्र किसी भी तकनीकी समस्या या आपदा की स्थिति में स्वतः बैकअप के रूप में कार्य करेगा।

राज्यव्यापी सेवा विस्तार के तहत आज कुल 400 नए अत्याधुनिक आपातकालीन वाहन, 33 विशेष निगरानी वाहन तथा 60 नए राजमार्ग गश्ती वाहन विभिन्न जिलों के लिए रवाना किए गए। अब राज्य के नागरिक पारंपरिक दूरभाष कॉल के अलावा '112 इंडिया अनुप्रयोग', संकट संकेत सेवा, लघु संदेश सेवा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद प्रणाली, ईमेल, वेब अनुरोध तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए भी आपातकालीन सहायता प्राप्त कर सकेंगे। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस व्यवस्था में पैनिक बटन और विशेष निगरानी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं, जिससे पुलिस सहायता, एम्बुलेंस, अग्निशमन सेवा तथा महिला सहायता हेल्पलाइन को एकीकृत मंच पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। नए आपराधिक कानूनों, विशेषकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 176 के प्रभावी क्रियान्वयन से सभी गंभीर अपराधों में, जिनमें सात वर्ष या उससे अधिक की सजा निर्धारित है, घटनास्थल पर फॉरेंसिक विज्ञान दल की उपस्थिति और वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करना अनिवार्य किया गया है। आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह साक्ष्य आधारित बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी 33 जिलों के लिए आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल प्रयोगशालाओं का गठन किया है, जिनमें से 32 फॉरेंसिक मोबाइल वैन आज मैदानी कार्य के लिए रवाना की गईं। ये वैन घटनास्थल पर जांच करने वाले उपकरणों से सुसज्जित चलती-फिरती प्रयोगशालाएं हैं।

इन मोबाइल फॉरेंसिक वैन में रक्त नमूना परीक्षण किट, डिजिटल साक्ष्य संग्रहण उपकरण, सीसीटीवी दृश्य सामग्री निकालने की प्रणाली, अंतर्निहित जीपीएस, उच्च क्षमता वाले लैपटॉप, कंप्यूटर तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए जनरेटर लगाए गए हैं।

1500 घरों के टूटने का डर? पीड़ित निगम नेता प्रतिपक्ष से की मुलाकात

चार वार्डों में रहने वाले अधिकांश मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार हैं

रायपुर। नगर निगम के चार प्रमुख वार्डों के करीब 1300 से 1500 घरों के निवासी बेघर होने के डर से सोमवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के कक्ष पहुंचे। कैनाल रोड 2.0 योजना के नाम पर नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा अचानक शुरू किए गए घरों के सर्वे और नापजोख से स्थानीय जनता में भारी आक्रोश और भय का माहौल बना हुआ है।

रायपुर के इन चार वार्डों में रहने वाले अधिकांश मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार हैं, जो पीढ़ियों से यहां बस रहे हैं। बिना किसी स्पष्ट पुनर्वास नीति या संतोषजनक जवाब के घरों के अंदर घुसकर की जा रही इस नापजोख से हजारों लोगों के आशियाने और रोजगार पर सीधा संकट खड़ा हो गया है, जिससे शहर के एक बड़े हिस्से में जन-आक्रोश भड़क रहा है।

कैनाल रोड 2.0 के नाम पर घरों में घुसकर हो रहा सर्वे

पीड़ित नागरिकों ने नेता प्रतिपक्ष को बताया कि शहीद पंकज विक्रम वार्ड (वार्ड नंबर 58), मोरेश्वर राव गद्दे वार्ड (वार्ड नंबर 59), चंद्रशेखर आजाद वार्ड (वार्ड नंबर 60) और श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड (वार्ड नंबर 61) में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी लगातार घरों की चौड़ाई और गहराई नाप रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि यह नापजोख कैनाल रोड 2.0 योजना के तहत रोड चौड़ीकरण के लिए की जा रही है, और लोगों को अपने घरों के दस्तावेज लेकर दफ्तर आने का आदेश दिया जा रहा है।

विधायक का मोबाइल खोजने कमिश्नरेट ने लगाई दौड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता धरम लाल कौशिक के मोबाइल लूट के मामले में पुलिस ने लूट भगाया और आम आदमी पार्टी की तलाश में 2 डीसीपी, 2 एडीसीपी, 3 एसीपी और 3 सहित क्राईम एसोसिएशन के 30 कर्मचारियों की टीम से पूछताछ की। वहीं शाम होते-होते 10 घंटे के अंदर ही गुढ़ियारी के चांदनी भट्टी इलाके से एक गांव को गिरफ्तार कर लिया गया। यह पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के हत्थे ने लगाया सामान

धरम लाल कौशिक के शहर में मोबाइल लूट के मामले में पुलिस ने 150 से अधिक आईटीएमएस बदमाशों को 150 से ज्यादा चौक-चौराहों में रखा और गुढ़ियारी थाना क्षेत्र से एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान मणिचंद्र ध्रुव के रूप में हुई है और वो सिंघानिया बिल्डर में कर्मचारी का काम करता है।

एम्स रायपुर को मिली राष्ट्रीय पहचान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों में प्रथम स्थान प्राप्त

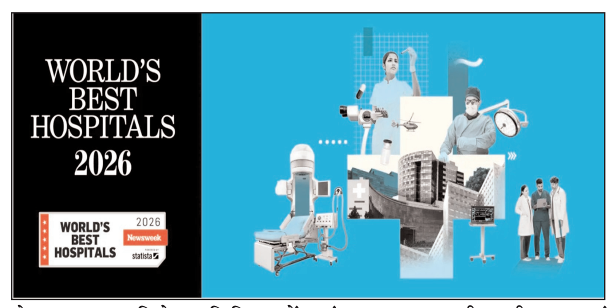

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर ने चिकित्सा सेवा, शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए प्रतिष्ठित न्यूजवीक की 'वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स इंडिया 2026' रैंकिंग में देश के अग्रणी अस्पतालों में स्थान प्राप्त किया है। संस्थान को भारत के सर्वश्रेष्ठ सरकारी अस्पतालों में छठा स्थान तथा नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों में प्रथम स्थान मिला है। यह उपलब्धि संस्थान के उत्कृष्ट मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में निरंतर उभरती प्रतिष्ठा को दर्शाती है। यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता अस्पताल की सेवा गुणवत्ता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की सिफारिश, मरीजों के अनुभव तथा पेशेंट रिपोर्टेड आउटकम मेजर्स (Patient Reported Outcome Measures-PROMs) जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर प्रदान की गई है। यह सम्मान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर की छत्तीसगढ़ एवं मध्य भारत के लोगों को सुलभ, किफायती और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। संस्थान ने विगत दो वर्षों में सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं, अधोसंरचना विकास, अनुसंधान गतिविधियों तथा अत्याधुनिक क्लीनिकल सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्रमुख उपलब्धियों में मध्य भारत की पहली सरकारी रोबोटिक सर्जरी सुविधा 'देवहस्त', छत्तीसगढ़ की पहली बायो सेफ्टी लेवल-3 प्रयोगशाला की स्थापना, किडनी प्रत्यारोपण सेवाओं में महत्वपूर्ण उपलब्धियां, सरकारी अस्पताल में राज्य का पहला पेयर्ड किडनी ट्रांसप्लांट, आधुनिक न्यूक्लियर मेडिसिन सुविधाओं का विस्तार, दूसरी कार्डियक कैथ लैब का शुभारंभ, अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब की स्थापना तथा सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की शुरुआत शामिल हैं।

गोयल ने किया भारतीय व्यापार महोत्सव का लॉन्च : भारत उपभोक्ता के साथ विनिर्माण का भी बने बड़ा हब - कैट

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत मंडपम, प्रगति मैदान में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारतीय व्यापार महोत्सव की आधिकारिक वेबसाइट का लॉन्च किया।

भारतीय व्यापार महोत्सव का संयुक्त आयोजन आईटीपीओ एवं कैट द्वारा आगामी 12 से 15 अगस्त तक भारत मंडपम में किया जाएगा। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि आज भारत वैश्विक बाजार में एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और देश का व्यापार तेजी से प्रगति कर रहा है।

'विभाजित दुनिया को जोड़ने का माध्यम हैं संग्रहालय'

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण पर जोर, पीआरएसयू में आयोजित हुई विशेष कार्यशाला

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (पीआरएसयू) के मानवविज्ञान अध्ययनशाला में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2026 के अवसर पर विभाजित विश्व की एकजुटता में संग्रहालयों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में इतिहास, पुरातत्व, संस्कृति और प्रशासन से जुड़े विशेषज्ञों ने संग्रहालयों की बदलती भूमिका, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और विश्व शांति में उनकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद, संस्कृतिविद तथा बीआईडीआरसी के अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने संग्रहालय और हमारा वैश्विक परिप्रेक्ष्य विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रमुख संग्रहालयों बोस्टन, लंदन और येल सहित अन्य संस्थानों में भारतीय संस्कृति से जुड़ी कलाकृतियां और दुर्लभ वस्तुएं प्रदर्शित की जा रही हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से भारतीय सभ्यता और संस्कृति की पहचान विश्वभर में फैल रही है।

राहुल कुमार सिंह ने कहा कि बड़े संग्रहालय केवल वस्तुओं को संजोने के स्थान नहीं होते, बल्कि वे विभिन्न देशों और संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करते हैं। जब कोई व्यक्ति किसी अन्य देश की सांस्कृतिक विरासत को देखता है, तो उसके भीतर उस संस्कृति के प्रति सम्मान और आत्मीयता की भावना विकसित होती है। यही भावना मानवता को एकसूत्र में पिरोने का काम करती है।

द्वितीय सत्र में प्रसिद्ध इतिहासकार, पुरातत्वविद और संस्कृति मर्मज्ञ प्रो. रमेंद्र नाथ मिश्र ने मध्य भारत का सांस्कृतिक गौरव संग्रहालय के विशेष परिप्रेक्ष्य विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्य भारत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध क्षेत्र हैं, लेकिन संरक्षण के अभाव में अनेक महत्वपूर्ण धरोहरें नष्ट होने के कगार पर हैं।

आदिवासी बहनें करेंगी विकास का नेतृत्व : अमित शाह

वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा जन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा जन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और तपन डेका, निदेशक, आसूचना ब्यूरो सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज एक बहुत ऐतिहासिक दिन है। शहीद वीर गुण्डाधर की यह जन्मभूमि और कर्मभूमि अपने आप में भारत के हर नागरिक के लिए तीर्थ समान है। वर्ष 1910 में हमारे वीर आदिवासी नेता ने भूमकाल विद्रोह के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की शुरूआत की थी और विदेशी शासन के विरुद्ध बस्तर के आदिवासियों की लड़ाई का नेतृत्व शहीद वीर गुण्डाधुर ने किया था। उन्होंने कहा कि आज उन्हीं से प्रेरणा लेकर नेतानार का यह कैंप, जो वर्ष 2013 से सुरक्षा कैंप था, अब सेवा कैंप बनकर आदिवासियों की सेवा करेगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस सेवा कैंप का नाम भी शहीद वीर गुण्डाधुर के नाम पर रखा है। यह कैंप हमें सदैव स्मरण कराएगा कि एक समय यहां छह पुलिसकर्मियों की निर्मम हत्या की गई थी, यहां के स्कूल, अस्पताल उजाड़ दिए गए थे, राशन पहुंचने नहीं दिया गया, रोजगार और शिक्षा से लोगों को वंचित रखा गया। श्री शाह ने कहा कि आज उसी स्थान पर, जहां हमारे छह जवान शहीद हुए थे, वहां गरीब आदिवासियों की सेवा का एक तीर्थ स्थल बनाने का कार्य प्रारंभ हो रहा है। अमित शाह ने कहा कि जब हमने नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया, उसका उद्देश्य केवल नक्सलियों का खात्मा करना नहीं बल्कि इस क्षेत्र के गरीब आदिवासियों के जीवन में वे सभी सुविधाएं पहुंचाना भी था, जो बड़े-बड़े शहरों में उपलब्ध हैं, जिससे उनके बच्चों का भविष्य भी उज्ज्वल बन सके। उन्होंने कहा कि 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार हर गांव में सस्ते राशन की दुकान खोल रही है, हर गांव में प्राथमिक विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं और गांवों के बीच में एक समूह PSC एवं CSC खोले जा रहे हैं।

डीए-डीआर आदेश में विलम्ब से कर्मचारियों और पेंशनरों में बढ़ी बेचैनी

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा 1 जनवरी 2026 से घोषित 2 प्रतिशत महंगाई राहत (डीआर) एवं महंगाई भत्ता (डीए) के आदेश जारी करने में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लगातार विलम्ब किए जाने पर कर्मचारियों और पेंशनरों में गहरी नाराजगी एवं बेचैनी व्याप्त है। राज्य सेवा के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को भी डीए देने की दिशा में अब तक कोई ठोस कार्यवाही दिखाई नहीं दे रही है। आश्चर्यजनक स्थिति यह है कि कर्मचारी संगठनों में भी इस गंभीर विषय को लेकर अपेक्षित सक्रियता और हलचल दिखाई नहीं दे रही है।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे.पी. मिश्रा, महामंत्री द्वय अनिल गोल्हानी एवं प्रवीण कुमार त्रिवेदी, संगठन मंत्री टी.पी. सिंह सहित महासंघ के पदाधिकारियों ने जारी संयुक्त विज्ञप्ति में कहा है कि राज्य सरकार पूर्व की तरह विलम्ब कर कर्मचारियों और पेंशनरों के एरियर को दबाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने स्मरण कराया कि वर्ष 2018 से अब तक लगभग 88 माह का डीए-डीआर एरियर आज भी लंबित है, जिससे कर्मचारियों एवं पेंशनरों में सरकार के प्रति अविश्वास की भावना बढ़ रही है।

महासंघ ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों एवं पेंशनरों को राज्य बजट से केंद्र सरकार की देय तिथि से एरियर सहित डीए-डीआर का भुगतान नियमित रूप से किया जाता है, जबकि सामान्य राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। विज्ञप्ति में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिजली विभाग के कर्मचारियों, अधिकारियों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों को केंद्र के समान लाभ दिए जा रहे हैं तथा वहां 1 जनवरी से 2 प्रतिशत डीए-डीआर स्वीकृत करने के आदेश भी जारी हो चुके हैं।

विश्व केसरी

संक्षिप्त खबरें

महासमुंद में कार से 9 करोड़ का सोना जब्त, तीन युवक गिरफ्तार

महासमुंद। महासमुंद जिले की सिंघोड़ा पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वोक्सवैगन कार से 7.512 किलो सोना जब्त किया है। जब्त सोने की कीमत करीब 9 करोड़ 17 लाख 84 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, एनएच-353 स्थित रेहटीखोल जांच नाके पर 17 मई 2026 को वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान उड़ीसा की ओर से आ रही वोक्सवैगन कार क्रमांक जीजे 03 एनपी 4230 को रोककर जांच की गई। कार में सवार युवकों ने अपने नाम जयेश अकबरी, सुनीत और रूशी अग्रावत बताए, जो गुजरात के निवासी हैं। तलाशी के दौरान पुलिस को कार की पिछली सीट में बनाए गए विशेष चैंबर में दो पीठू बैग मिले। बैग में रखे छह प्लास्टिक बॉक्सों में विभिन्न प्रकार के सोने के आभूषण छिपाकर रखे गए थे। जांच में इन आभूषणों का कुल वजन 7512.488 ग्राम पाया गया। पुलिस ने आरोपियों से सोने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने सोना जब्त कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106 के तहत कार्रवाई की।

केंद्रीय विद्यालय बीजापुर के विद्यार्थियों ने सीबीएसई परीक्षा में बढ़ाया जिले का गौरव

बीजापुर। केंद्रीय विद्यालय बीजापुर के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों की शानदार सफलता पर कलेक्टर श्री विश्वदीप ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कक्षा 10वीं में छात्रा कर्णिका तिवारी ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 12वीं में प्राची झाड़ी ने 93.40 प्रतिशत, तरुण सिंह ठाकुर ने 90.20 प्रतिशत तथा यश्वी डोंगरे ने 88.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में सफलता केवल अच्छे अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह विद्यार्थियों के अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास को भी दर्शाती है।

बीएसपी के अग्निशमन कर्मियों के अदम्य साहस को मिला सम्मान

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग के 49 कर्मियों को हाल के दिनों में संयंत्र के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में हुई अग्नि दुर्घटनाओं पर सफलतापूर्वक नियंत्रण स्थापित करने तथा जोखिमपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशनों को दक्षतापूर्वक संपन्न करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 16 मई 2026 को सेंट्रल फायर स्टेशन के प्रशिक्षण सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी बी. के. महापात्र के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह का उद्देश्य विषम परिस्थितियों में कर्तव्यनिष्ठा, साहस एवं पेशेवर दक्षता का परिचय देने वाले अग्निशमन कर्मियों का उत्साहवर्धन करना तथा सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी एस. बी. ढवस, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी जी. एस. एस. किरण सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के 'स्लीपर सेल नेटवर्क' का खुलासा

पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार, देशभर में हुए 60 से ज्यादा मामलों से जुड़े तार

बिलासपुर। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तारबाहर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 'म्यूल अकाउंट सिंडिकेट' संचालित करने वाले तीन आरोपियों को अंबिकापुर से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों को कमीशन के बदले साइबर गिरोहों को उपलब्ध कराते थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवनीत मिश्रा उर्फ विक्की पंडित, ऋषभ साहू और राजा घरानी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिनकी तकनीकी जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार यह नेटवर्क साइबर अपराधियों के लिए 'स्लीपर सेल' की तरह काम कर रहा था। आरोपी सामान्य लोगों के बैंक खाते कमीशन के एवज में लेकर उन्हें साइबर ठगी करने वाले गिरोहों तक पहुंचाते थे। इन खातों का इस्तेमाल देशभर में ठगी की रकम ट्रांसफर करने और नकदी निकालने के लिए किया जाता था।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी व्हाट्सएप और मोबाइल फोन के जरिए बैंक खातों की जानकारी एक-दूसरे से साझा करते थे। पुलिस को अब तक ऐसे बैंक खातों की जानकारी मिली है, जो देशभर में दर्ज 60 से अधिक साइबर फ्रॉड शिकायतों से जुड़े हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन खातों के जरिए करोड़ों रुपये की साइबर ठगी की रकम का लेनदेन हुआ है।

पुलिस ने बताया कि इस पूरे नेटवर्क का खुलासा पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी दीपेश गुप्ता से मिले डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर हुआ। उसके मोबाइल और अन्य डिजिटल डाटा की जांच के दौरान कई संदिग्ध बैंक खातों और संपर्कों की जानकारी मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए अंबिकापुर से तीनों आरोपियों को पकड़ा गया।

फिलहाल पुलिस आरोपियों और उनके नेटवर्क से जुड़े बैंक खातों की विस्तृत जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस सिंडिकेट से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। तारबाहर पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद से चल रहा करोड़ों का सट्टा, रैकेट ध्वस्त, 13 गिरतार

दुर्ग। आईपीएल क्रिकेट सट्टे के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद से संचालित एक अंतरराज्यीय ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस हाईटेक सट्टा नेटवर्क से जुड़े 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि करोड़ों रुपये के लेनदेन, म्यूल अकाउंट नेटवर्क और संगठित अपराध के तार सामने आने से पूरे मामले ने सनसनी फैला दी है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 9 लैपटॉप, 46 मोबाइल फोन, 107 एटीएम कार्ड, 23 पासबुक, लगभग 20 सिम कार्ड और 2 लाख 57 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं।

दुर्ग पुलिस की एसीसीयू और थाना छावनी टीम ने 16 मई 2026 को जावेद अख्तर निवासी चरोदा और आभास जायसवाल को विभिन्न बैंक खातों सहित पकड़ा था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी स्लम एरिया और अन्य लोगों से बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड खरीदते थे। इन बैंक खातों का उपयोग ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे में करोड़ों के ट्रांजेक्शन के लिए किया जा रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि पूरा नेटवर्क हैदराबाद के अल्फापुरम स्थित एसएस रेसिडेंसी और शमसाबाद की नक्षत्र सोसायटी से संचालित हो रहा था।

वन विभाग ने अवैध कटाई करने वाले ठेकेदार पर 20 लाख की क्षतिपूर्ति का जारी किया नोटिस

बीजापुर। जिले के वन मण्डल बीजापुर सामान्य के तहत आने वाले वन परिक्षेत्र बीजापुर, गंगालूर, भैरमगढ़, आवापल्ली एवं पामेड़ में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर वन नियमों के उल्लंघन करते हुए वन विभाग द्वारा बिना अनुमति 280 खड़े वृक्षों की कटाई एवं अवैध उत्खनन पर कड़ी कार्यवाही करते हुए वन विभाग ने संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कुल 20,06,755 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि वसूली हेतु नोटिस जारी किए गए हैं।

बीजापुर सामान्य वन मंडल से मिली जानकारी के अनुसार मनकेली-गोरना, बीजापुर-सरपंचपारा मनकेली, चेरपाल-नेन्ड्रा, काकेकोरमा-मुनगा, पीडिया-मिरघानघोटूल, अकेली-कोटवारपारा, बैल-मयुरिपारा, बीरगुड़ा-बड़े संकनपल्ली, सारकेगुड़ा-बड़े पेगड़ापल्ली, एल-022-तिम्मापुर, पामेड़-रासपल्ली, एल-069/032-मंगलतोर एवं रासपल्ली (एर्रापल्ली)-पेदाचंदा सहित कुल 13 निर्माणाधीन मार्गों में बिना वन विभागीय अनुमति के कार्य किया जा रहा था। जांच में पाया गया कि सड़क निर्माण के दौरान कुल 280 खड़े वृक्षों को जमीन सतह से उखाड़कर गिरा दिया गया तथा कई स्थानों पर अवैध खुदाई कर लगभग 8755 घनमीटर मुरूम का उपयोग सड़क निर्माण में किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध वन अपराध के कुल 18 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। साथ ही नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कुल 20,06,755 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि वसूली हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। वन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास एजेंसी, जिला बीजापुर के कार्यपालन अभियंता एवं उप अभियंता को भी पत्र प्रेषित कर भविष्य में बिना अनुमति किसी भी प्रकार का कार्य नही करने के निर्देश दिए गए हैं।

वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, अतिक्रमण, शिकार और उत्खनन पर रोक लगाने सघन अभियान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, अतिक्रमण, शिकार और उत्खनन पर रोक लगाने के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। प्रबंध संचालक प्रेमकुमार के निर्देश पर प्रदेश के सभी परियोजना मंडलों में नियमित गश्त और निगरानी की जा रही है। इसका सकारात्मक असर वन सुरक्षा पर दिखाई दे रहा है।

कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर के परिक्षेत्र भैंसाझार अंतर्गत रतनपुर के जूनाशहर क्षेत्र में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जंगली सूअर के मांस की अवैध बिक्री का मामला पकड़ा है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कल 17 मई को वार्ड क्रमांक 15, जूनाशहर निवासी सूरज मरावी के घर पर दबिश दी गई। तलाशी वारंट जारी होने के बाद वन विभाग, पुलिस बल, स्थानीय पार्षद, पंचगण एवं आसपास के लोगों की उपस्थिति में घर की तलाशी ली गई। कार्रवाई के दौरान 14 किलोग्राम संदिग्ध मांस बरामद किया गया, जिसे वन विभाग ने मौके पर जब्त कर लिया। इस मामले में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। जब्त मांस के नमूनों को लैब परीक्षण के लिए सुरक्षित रखा गया, जबकि शेष मांस को केंद्रीय रोपणी भैंसाझार में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सुरक्षित तरीके से नष्ट किया गया।

वन विभाग की टीम पर हमला : 166 लोगों को गिरफ्तार करने पहुंची थी टीम

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के सिहावा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जैतपुरी में वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। उदंती-सीतानदी अभ्यारण्य के उपनिदेशक वरुण जैन अपनी टीम के साथ अतिक्रमणकारियों की गिरफ्तारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विरोध करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला कर दिया।

जानकारी के अनुसार, वन विभाग की टीम 166 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी। टीम के गांव पहुंचते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया और ग्रामीण उग्र हो गए। अधिकारियों ने किसी तरह खुद को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और तत्काल सिहावा पुलिस को सूचना दी।

वन विभाग की हालिया ड्रोन जांच में बड़ा खुलासा हुआ था। जांच में सामने आया कि पिछले 15 वर्षों में करीब 1 लाख पेड़ों की अवैध कटाई कर 106 हेक्टेयर वनभूमि पर कब्जा किया गया है। यह इलाका सीतानदी टाइगर रिजर्व के कोर जोन और महानदी कैचमेंट क्षेत्र में आता है।

जांच में यह भी पाया गया कि वर्ष 2011 में जहां 45 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण था, वह बढ़कर अब 106 हेक्टेयर तक पहुंच गया। पहले जहां प्रति हेक्टेयर करीब 1000 पेड़ मौजूद थे, अब यह संख्या घटकर 25 से 50 तक रह गई है। ग्रामीणों द्वारा खेती के लिए बड़े पैमाने पर जंगल साफ किए जाने की बात सामने आई है। वन विभाग ने मामले में 166 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर बेदखली नोटिस जारी किए थे। कार्रवाई तेज करने के लिए टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन विरोध हिंसक हो गया। उदंती-सीतानदी अभ्यारण्य के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि गिरफ्तारी की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों में टीम वहां से निकली और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नक्सल मुक्त होने से अबूझमाड़ के कारकाबेड़ा में खुला स्कूल

नारायणपुर। अबूझमाड़ क्षेत्र नक्सल मुक्त होने से अबूझमाड़ के अति दूरस्थ क्षेत्र कोड़ेनार में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। शिविर के दौरान ग्राम कारकाबेड़ा के ग्रामीणों ने गांव में स्कूल खोलने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया था। इस पर कलेक्टर नम्रता जैन ने तत्परता दिखाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल को तत्काल स्कूल खोलने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश और जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में सबसे पहले संकुल समन्वयक एवं शिक्षकों की टीम द्वारा ग्राम कारकाबेड़ा का सर्वे कराया गया। सर्वे के दौरान गांव में 20 बच्चे पढ़ाई के योग्य पाए गए। इसके बाद कलेक्टर के पुनः निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी संतुराम नूरेटी, खंड स्त्रोत समन्वयक लक्ष्मीकांत सिंह, संकुल समन्वयक कारूराम नूरेटी, सरपंच रामूराम वड्डे तथा शिक्षकों की टीम ने अति दूरस्थ कारकाबेड़ा पहुंचकर नवीन प्राथमिक शाला का शुभारंभ किया। स्कूल प्रारंभ होने के साथ ही बच्चों को निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तक, स्लेट, पेंसिल, श्यामपट्ट सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गई। स्कूल खुलने से बच्चों और ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिला। वर्तमान में इस स्कूल में गांव के 20 बच्चों को शिक्षा दी जाएगी, जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा एक अतिथि शिक्षक की भी व्यवस्था की गई है। भविष्य में आस-पास के गांवों जैसे मरकूड़ के बच्चे भी इस स्कूल का लाभ उठा सकेंगे। आजादी के बाद पहली बार ग्राम कारकाबेड़ा में स्कूल की शुरुआत हुई है। जिला प्रशासन की यह पहल निश्चित रूप से क्षेत्र में शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और मील का पत्थर साबित होगी।

ओदारी नदी में छापा, 9 हाईवा और चैन माउंटेन मशीन जब्त

एमसीबी। अवैध रेत खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के निर्देश पर जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत घटई, तहसील भरतपुर स्थित ओदारी नदी क्षेत्र में संयुक्त छापामार अभियान चलाकर अवैध खनन गतिविधियों पर बड़ा प्रहार किया। जिला स्तरीय टास्क फोर्स, खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई में अवैध रेत उत्खनन में प्रयुक्त एक चैन माउंटेन मशीन तथा रेत परिवहन में लगे 9 हाईवा वाहनों को मौके से जब्त किया गया। प्रशासनिक जांच में पाया गया कि संबंधित स्थल पर खनन कार्य निर्धारित नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के विपरीत संचालित किया जा रहा था।

प्रशासन की इस सुनियोजित कार्रवाई के बाद अवैध रेत कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बन गई। बताया गया कि जब्त किए गए सभी वाहन एवं मशीनरी को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई तक ग्राम पंचायत घटई की सुपुर्दगी में सुरक्षित रखा गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं खनिज परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज एवं विनियमन अधिनियम 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि नियमों की अनदेखी कर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

प्रशासन ने दो टूक संदेश दिया है कि जिले में प्राकृतिक संसाधनों की अवैध लूट पर अब लगातार निगरानी रखी जाएगी और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी। ओदारी नदी क्षेत्र में हुई यह कार्रवाई केवल एक अभियान नहीं, बल्कि अवैध खनन माफियाओं के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि शासन अब संसाधनों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है।

सी-मार्ट एवं गारमेंट फैक्ट्री संचालन विवाद गहराया

बीजापुर। इन्द्रावती फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एफपीओ) और जिला प्रशासन के बीच सी-मार्ट एवं गारमेंट फैक्ट्री संचालन को लेकर विवाद अब गहरा गया है। किसानों की संस्था ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आर्थिक अनियमितता, अधिकारों से वंचित करने और संचालन में कथित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। संस्था ने कलेक्टर से पूरे मामले की पारदर्शी जांच, दोषियों पर कार्रवाई, सी-मार्ट भवन की मरम्मत तथा किसानों और स्थानीय उत्पादकों के हित में एफपीओ को पुनः संचालन का अवसर देने की मांग की है। एफपीओ का कहना है कि वर्ष 2022 से संस्था किसानों और स्थानीय उत्पादकों के हित में कार्य कर रही थी तथा वर्ष 2023 से सी-मार्ट और गारमेंट फैक्ट्री का संचालन भी संस्था के माध्यम से किया जा रहा था। संस्था के अनुसार तीन पक्षों के बीच हुए समझौता ज्ञापन में लाभ-हानि साझा करने का प्रावधान था, लेकिन एफपीओ को उसका लाभ नहीं मिला।संस्था ने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 से 2025 तक ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवाकर राशि निकाली जाती रही। विरोध करने पर संस्था को बैंक सिग्नेटरी से हटा दिया गया। एफपीओ ने सवाल उठाया कि जब समझौता ज्ञापन, दस्तावेज, बिजली कनेक्शन और संचालन संबंधी आधार संस्था के नाम पर हैं, तो गौरव पांडेय को किस आधार पर सिग्नेटरी बनाया गया। ज्ञापन में कौशल विकास विभाग पर बिना अनुमति दूसरा जीएसटी तैयार कराने का आरोप भी लगाया गया है। एफपीओ का दावा है कि योजनाबद्ध तरीके से किसानों के संगठन को हटाकर किसी अन्य पक्ष को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

संपादकीय

अमेरिका और चीन की बढ़ती संवाद-प्रक्रिया के रणनीतिक साइड इफेक्ट्स को यूँ समझिए

कमलेश पांडे

अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंधों का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल में ही बढ़ती संवाद-प्रक्रिया और संभावित रणनीतिक समझौते को दुनिया बेहद गंभीरता से देख रही है, क्योंकि बदलती वैश्विक दुनियादारी और नवमहत्वाकांक्षी देशों-गुटों की मतलबी कूटनीति-अर्थनीति से अमेरिका-चीन दोनों की अंतरराष्ट्रीय बादशाहत खतरे में है। आखिर जब एक तरफ रूस और भारत अपनी दशकों पुरानी मित्रता पर अडिग हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप भी अपने पुराने सम्बन्धों को तरोताजा कर रहे हैं, जो कि अमेरिकी डीप स्टेट की बिल्कुल नई विसात है।

देखा जा रहा है कि भारत की चतुराई और रूस की दृढ़ता से अमेरिका अपने ही बुने हुए जाल में फंसकर तड़फड़ा रहा है। वहीं, रूस-चीन की समझदारी से पश्चिमी एशिया में जो अमेरिका की फजीहत हुई है, उसके बाद अब चीन के समक्ष हथियार डालने के अलावा उसके पास कोई चारा भी नहीं बचा है। चूंकि ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के फार्मूले पर काम कर रहा हैं और रूस, भारत, फ्रांस, ब्राजील, जापान ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिए हैं, ऐसे में पाकिस्तान को साधकर अरब में अपनी इज्जत बचाना और चीन के दरबार में हाजिरी लगाने के अलावा उनके पास कोई चारा भी नहीं बचा हुआ था।

ऐसे में यदि अमेरिका और चीन के बीच टकराव कुछ कम होता है और 'नई दोस्ती' या व्यावहारिक सहयोग बढ़ता है, तो इसके वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। चूंकि

दोनों देश पहले भी एक दूसरे के करीब रहे हैं, इसलिए उनके बीच कूटनीतिक प्रेम की पहल अमेरिकी की भूल सुधार रणनीति समझी जानी चाहिए और अपने उद्देश्य में ट्रंफ सफल प्रतीत हो चुके हैं। हालांकि यह भविष्य के गर्त में है कि चीनी चाकरी अमेरिका कहाँ तक कर पाएगा?

समझिए,अमेरिका-चीन रिश्तों में नरमी क्यों महत्वपूर्ण है?

अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंधों का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।

पहला, वैश्विक बाजारों में स्थिरता: अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध कम होने पर शेयर बाजारों और निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है। सप्लाई चेन संकट कम हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र को राहत मिल सकती है।

दूसरा, तेल और ऊर्जा बाजार: यदि दोनों देश सहयोग करते हैं, तो वैश्विक ऊर्जा कीमतों में अनिश्चितता कम हो सकती है। मध्य पूर्व में तनाव कम कराने के लिए संयुक्त दबाव बन सकता है।

तीसरा, डॉलर बनाम युआन: चीन लंबे समय से डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को चुनौती देना चाहता है। ऐसे में अगर रिश्ते सुधरते हैं, तो अमेरिका कुछ आर्थिक संतुलन के साथ चीन को सीमित छूट दे सकता है, लेकिन डॉलर की केंद्रीय भूमिका तुरंत कमजोर नहीं होगी।

चतुर्थ, रूस, यूरोप और भारत पर प्रभाव: जहां तक रूस की बात है कि रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के लिए यह स्थिति मिश्रित हो सकती है। यदि अमेरिका और चीन करीब आते हैं, तो रूस की सामरिक उपयोगिता कुछ घट सकती है। लेकिन चीन रूस को पूरी तरह छोड़ने की स्थिति में नहीं होगा, क्योंकि उसे ऊर्जा और सैन्य संतुलन की जरूरत है।

वहीं, जहां तक यूरोप की बात है तो यूरोपीय देश राहत महसूस करेंगे क्योंकि अमेरिका-चीन तनाव से वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा था। लेकिन यूरोप को डर रहेगा कि कहीं अमेरिका चीन के साथ सौदेबाजी में यूरोपीय हितों को पीछे न छोड़ दे।

जहां तक भारत की बात है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के लिए यह स्थिति अवसर और चुनौती दोनों ला सकती है। जहां संभावित अवसर के रूप में वैश्विक व्यापार स्थिर होने से भारतीय निर्यात को लाभ मिलेगा। अमेरिका और चीन दोनों भारत को संतुलनकारी शक्ति के रूप में महत्व देते रहेंगे। भारत वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र बन सकता है।

जहां तक संभावित चुनौतियाँ की बात है तो यदि अमेरिका चीन के प्रति नरम होता है, तो भारत पर चीन-विरोधी रणनीतिक दबाव कम हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

कमलेश पांडे

यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते

हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'तेल खरीदने वाला देश' नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग

को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है।

यह 'मेक इन इंडिया' और 'भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी 'विश्व नेतृत्व' छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी।

साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

निष्कर्ष यह निकलता है कि पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

महेन्द्र तिवारी

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं।

इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। आज के समय में प्रयुक्त होने वाले कई अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उंगलियों के केवल आंशिक या आधे निशानों के मिलान से भी पहचान सत्यापित करने की क्षमता रखते हैं, जिससे अपराधियों का काम और अधिक सुगम हो जाता है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक संवेदनशील और खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोग कैमरे के सम्मुख अपनी उंगलियों को सीधा करके विजय सूचक या शांति सूचक चिह्न बनाते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच यह मुद्रा अत्यधिक लोकप्रिय है और सामाजिक माध्यमों पर ऐसी करोड़ों तस्वीरें उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट मुद्रा में व्यक्ति की उंगलियों के पोर सीधे उपकरण के सामने केंद्रित होते हैं।

जिसके कारण तस्वीर में उंगलियों की रेखाएं सबसे अधिक स्पष्ट और प्रकाशमान दिखाई देती हैं। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है ।

बोध कथा

जीवन को नई राह दिखाते हैं स्वामी विवेकानंद के विचार

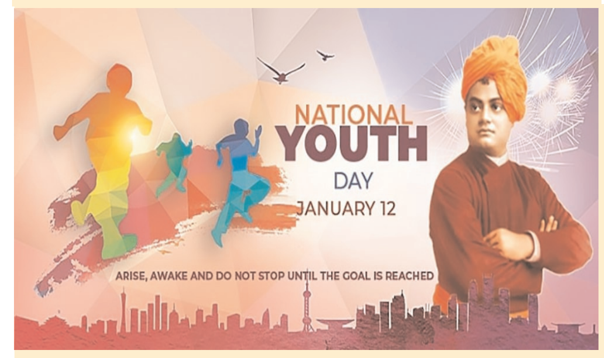

स्वामी विवेकानंद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बाल्यावस्था से स्वामी विवेकानंद को अध्यात्म के प्रति गहन रुचि थी। उनका जन्म पश्चिम बंगाल में कारस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता संस्कृत और फारसी भाषा के विद्वान थे। महज 25 वर्ष की आयु में स्वामी जी के पिता सन्यासी बन गए। माता जी देवों के देव महादेव की भक्त थीं। हर समय शिव भक्ति में लीन रहती थीं। अत: विवेकानंद जी को बचपन से ईश्वर में अगाध श्रद्धा थी। स्वामी जी स्वरं प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति करते थे। रामकृष्ण परमहंस जी के संपर्क में आने के पश्चात स्वामी जी मां काली के उपासक बन गए। मां काली की कृपा-दृष्टि से स्वामी जी वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली गुरु बने। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवाओं को स्वामी जी के विचार जीने की नई राह देते हैं। स्वामी विवेकानंद जी के पद चिन्हों पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, स्वामी जी के अनमोल विचार जानते हैं-

स्वामी जी के अनमोल विचार... 1 संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और रह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

खाली जेब का भरा दर्शन

सतीश उपाध्याय

प्रधानमंत्री ने क्या कह दिया, उसके बाद तो आजकल हर नेता कह रहा है—बचत कीजिए! सरकार कह रही है. और वो पड़ोसी रामलाल भी कह रहे हैं,जिन्होंने पिछले साल हम से उधार लिया था। जिसे पटाने का वह नाम ही नहीं ले रहे. पर कोई यह नहीं बताता कि बचत आखिर करनी कैसे है? आज के ज़माने में बचत करना एक ऐसी 'साधना' है, जिसमें आप खुद को हिमालय के साधु जैसा महसूस करने लगते हैं। इसकी प्रक्रिया कुछ इस प्रकार है:

सेल का मायाजाल देखें. आप पाँच सौ रुपये बचाने के लिए मॉल जाते हैं और एक खरीदो तीन आइटम पाओ के चक्कर में पाँच हजार रुपये का वो सामान खरीद लाते हैं, जिसकी जरूरत शायद आपको अगले जन्म में भी न पड़े। इसे कहते हैं—शानदार बचत!

फ्यूचर की चिंता भी खूब है. लोग कहते हैं, 'बुढ़ापे के लिए बचाओ।' पर भाई, जिस रफ़्तार से महंगाई बढ़ रही है, आज के बचाए हुए दस लाख रुपये में बुढ़ापे में शायद सिर्फ एक किलो शुद्ध देसी घी और एक महीने का वाई-फाई रिचार्ज ही मिल पाएगा।

दार्शनिक बचत भी बेक मुद्दा है. जब बैंक अकाउंट में बैलेंस जीरो होता है, तभी इंसान को असली ज्ञान प्राप्त होता है। उसे समझ आता है कि 'मोह-माया' व्यर्थ है। खाली जेब दरअसल आपको अध्यात्म की ओर ले जाती है।

कुछ 'अमूल्य' मशवरे भी मिल रहे हैं बचत के.

बाहर खाना छोड़िए, घर पर दाल-रोटी खाइए। इससे न केवल आपके पैसे बचेंगे, बल्कि आपकी शक्ल पर छाई वो 'पनीर टिक्का' वाली चमक भी जाएगी और आप एक गंभीर तपस्वी की तरह दिखने लगेंगे।

एक ज्ञानी बोला, दोस्तों से दूरी बना लो. अगर बचत करनी है, तो ऐसे दोस्तों से दूर रहें जो हर शनिवार 'भाई, सीन क्या है?' बोलकर आपको पार्टी में घसीट ले जाते हैं। अकेले बैठिए, दीवार देखिए। दीवार देखने का कोई टैक्स नहीं लगता अभी तक तो ऐसा ही है. कल की राम जाने.

लोगों को कंजूसी को 'सिद्धांत' बता सकते हैं. जब कोई कहे कि आप कंजूस हैं, तो मुस्कुराकर कहिए—सरकार की अपील का पालन कर रहा हूँ।' बेइज्जती भी बच जाएगी और साख भी बनी रहेगी।

कुल मिला कर बचत करना अब एक कला है, और उस बचत को महंगाई की नजर से बचाना एक युद्ध।

तो लड़ते रहिए, क्योंकि जब तक आपके पास 'बचत' है, तभी तक समाज में आपकी 'इज्जत' है। वरना ज्ञान तो इंटरनेट पर फ्री में ही मिल रहा है! बचत के इस 'पवित्र मिशन' में आप खुद को कहाँ पाते हैं—खर्च करने वालों की कतार में या दीवार देखने वालों की टोली में?

इतिहास

18 मई के इतिहास की प्रमुख घटनाएँ ऑन दिस डे और ब्रिटैनिका के अनुसार इस प्रकार हैं:1974: भारत ने राजस्थान के पोखरण में अपना पहला सफल परमाणु परीक्षण (स्माइलिंग बुद्धा) किया था। ब्रिटैनिका2004: अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी रैंडी जॉनसन सबसे उम्रदराज पिचर (40 वर्ष) बने, जिन्होंने परफेक्ट गेम फेंका।

ब्रिटैनिका1953: अमेरिकी एविएटर जैकलीन कोचरन ध्वनि की गति को पार करने वाली पहली महिला बनीं। ब्रिटैनिका 1956: स्विस पर्वतारोहियों ने पहली बार हिमालय के ल्होत्से I (Lhotse I) पर्वत पर चढ़ाई की।

ब्रिटैनिकाआप एपी न्यूज़ के माध्यम से दुनिया भर में आज के दिन घटी अन्य प्रमुख घटनाओं को विस्तार से देख सकते हैं।

बड़ी गिरावट से उबरा बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान में बंद; आईटी शेयर चमके

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार दिन के निचले स्तर से शानदार वापसी करते हुए हरे निशान बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स ने दिन के निचले स्तर से 1,100 अंकों से ज्यादा की रिकवरी करके और एनएसई निफ्टी 50 ने दिन के निचले स्तर से 300 अंकों से ज्यादा की रिकवरी करके बढ़त के साथ कारोबार का समापन किया।

इस दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 77.05 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,315.04 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 6.45 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 23,649.95 पर क्लोज हुआ।

प्रमुख बेंचमार्कों की तुलना में व्यापक बाजारों का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.26 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी आईटी में 2.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और इसने अन्य सेक्टर्स से सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। इसक अलावा, निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा।

निफ्टी50 इंडेक्स में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, विप्रो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, टीसीएस और कोटक बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई। वहीं, टाटा स्टील, पावरग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, बजाज-ऑटो, आयशर मोटर, ट्रेंट और मारुति के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 461 लाख करोड़ रुपए से घटकर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में करीब 3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। ब्रेंट क्रूड का कारोबार 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहा, जबकि भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.12 पर रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और मध्य पूर्व संघर्ष को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच रुपए की कमजोरी के कारण बाजार का माहौल सतर्क बना हुआ है।

सोने में मामूली तेजी, चांदी 2.73 लाख रुपए के पार

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। हालांकि, शुरुआत कारोबार में ही दोनों कीमती धातु हरे निशान में आ गए थे।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 जून 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,58,547 रुपए के मुकाबले 471 रुपए या 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,58,076 रुपए था।

लेकिन शुरुआत कारोबार में ही इसमें तेजी देखी गई। सुबह 9:15 पर यह 133 रुपए या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,58,680 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,57,547 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,58,547 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का 3 जुलाई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,71,886 रुपए के मुकाबले 4,486 रुपए या 1.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,67,400 रुपए पर खुला था।

शुरुआत कारोबार में ही इसमें तेजी देखने को मिली थी। खबर लिखे जाने तक यह 764 रुपए या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,72,650 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,64,949 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,74,145 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

दूसरी तरफ वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,543 डॉलर प्रति बैरल और चांदी 2.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.778 डॉलर प्रति बैरल पर था।

जानकारों के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी में गिरावट की वजह यूएस 10 ईयर के बॉल्ड यील्ड का 4.65 प्रतिशत पर जाना है। इससे डॉलर भी मजबूत हो रहा है, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है।

मारुति सुजुकी ने हरियाणा के खरखौदा स्थित दूसरे प्लांट में उत्पादन शुरू किया

नई दिल्ली। देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के दूसरे यूनिट में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है।

ऑटोमोबाइल कंपनी के अनुसार, दूसरे प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 लाख यूनिट है, जिससे खरखौदा प्लांट की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 5 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो गई है।

इस नए विस्तार के साथ, मारुति सुजुकी की हरियाणा के गुरुग्राम, मानेसर और खरखौदा तथा गुजरात के हंसलपुर स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.5 लाख यूनिट हो गई है।

कंपनी ने कहा कि पूर्णत: चालू होने पर, खरखौदा प्लांट वैश्विक स्तर पर सुजुकी के सबसे बड़े चार पहिया वाहन मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों में से एक बन जाएगा, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 10 लाख वाहन प्रति वर्ष होगी।ऑटोमोबाइल कंपनी ने पहले वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान उत्पादन क्षमता में 5 लाख यूनिट जोड़ने की योजना बनाई थी, और खरखौदा में दूसरे प्लांट का चालू होना इसी रणनीति के अनुरूप है।

वर्तमान में, मारुति सुजुकी खरखौदा प्लांट में कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और मिड-साइज एसयूवी विक्टोरिस का निर्माण करती है।

खरखौदा प्लांट की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में रखी थी।

बढ़ती घरेलू मांग और निर्यात पर बढ़ते फोकस के मद्देनजर मारुति सुजुकी लगातार अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है।इससे पहले मई में, कंपनी ने कहा था कि उसने भारतीय रेलवे नेटवर्क के माध्यम से कुल 30 लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2014-15 में रेल द्वारा की गई डिलीवरी कुल वाहन डिलीवरी का केवल 5 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 26.5 प्रतिशत हो गई है।

भारत की मल्टी-डिवाइस लाइफस्टाइल के लिए रियलमी किस तरह एक स्मार्ट एआईओटी इकोसिस्टम का कर रहा निर्माण?

नई दिल्ली । आधुनिक जीवनशैली कई कनेक्टेड उपकरणों पर चलती है। उपभोक्ता दिनभर बिना रुके कॉल, संगीत, फिटनेस ट्रैकिंग, काम की सूचनाएं, गेमिंग और मनोरंजन के बीच स्विच करते रहते हैं।

आईडीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के वियरेबल डिवाइस बाजार में 2024 में 119 मिलियन शिपमेंट दर्ज किए गए, जिसमें टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स की हिस्सेदारी ईयरवियर सेगमेंट में 70.9 प्रतिशत थी। चुनौती अब उपकरणों तक पहुंच नहीं है, बल्कि उनके बीच की बाधाएं हैं - बाधित ट्रांजिशन, मैनुअल कंट्रोल और असंगत अनुभव जो उपयोगकर्ताओं की गति को धीमा कर देते हैं।

यह बदलाव ही वह सही जगह है जहां रियलमी का एआईओटी इकोसिस्टम अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

रियलमी की व्यापक इकोसिस्टम रणनीति उपकरणों के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित करने, दैनिक गतिविधियों में आने वाली बाधाओं को कम करने और भारतीय उपभोक्ताओं को एक स्मार्ट, अधिक सहज कनेक्टेड अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित है।

जैसे-जैसे उपयोगकर्ता प्रीमियम और फीचर-रिच उपकरणों में अधिक निवेश कर रहे हैं, हार्डवेयर नवाचार के साथ-साथ इकोसिस्टम एकीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता अब कम लेकिन बेहतर उपकरण खरीद रहे हैं, और प्रीमियम स्मार्टवॉच सेगमेंट (15,000 रुपए से अधिक) में व्यापक श्रेणी में गिरावट के बावजूद 16 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी जा रही है।

एडैप्टिव एएनसी, हाई-रेस वायरलेस ऑडियो, हेल्थ ट्रैकिंग और लंबी बैटरी लाइफ जैसी उन्नत सुविधाओं की मांग एआईओटी श्रेणियों में लगातार बढ़ रही है।

इन बदलती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, रियलमी 22 मई 2026 को रियलमी बड्स एयर 8 प्रो और रियलमी वॉच एस5 लॉन्च करने जा रहा है।

रियलमी बड्स एयर 8 प्रो उन उपयोगकर्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो हर वातावरण को - चाहे मेट्रो हो, कैफे हो, हवाई अड्डा हो या कार्यस्थल - एक कनेक्टेड जीवनशैली का हिस्सा मानते हैं। इन ईयरबड्स में 55डीबी एडैप्टिव एक्टिव नॉइज़ कैंसलेशन की सुविधा है जो आसपास के शोर के स्तर के अनुसार स्वचालित रूप से समायोजित हो जाती है, जिससे बार-बार मैन्युअल हस्तक्षेप के बिना निर्बाध सुनने का अनुभव सुनिश्चित होता है।

भारत के होटल निवेश में जबरदस्त उछाल, 2025 में हुई करीब 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में वर्ष 2025 के दौरान शानदार तेजी देखने को मिली, जिसमें 28 सौदों के जरिए होटल निवेश करीब 56.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 67 प्रतिशत अधिक रहा।

कमर्शियल रियल एस्टेट सर्विसेज फर्म जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल निवेश में संस्थागत पूंजी और प्राइवेट इक्विटी की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत रही।

इसके अलावा, हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स और फैमिली ऑफिस ने 27 प्रतिशत योगदान दिया, जबकि सूचीबद्ध होटल कंपनियों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत रही। इससे यह संकेत मिलता है कि होटल सेक्टर में निवेश के स्रोत अब पहले की तुलना में अधिक विविध और मजबूत हो रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि टियर-2 और टियर-3 शहरों ने कुल निवेश का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। वहीं, ब्रांडेड होटल साइनिंग्स में 71 प्रतिशत हिस्सेदारी उभरते शहरों की रही।

इन शहरों में कई प्रीमियम प्रॉपर्टी शामिल रहीं, जिनमें ऋषिकेश के लक्जरी रिसॉर्ट, गोवा की अपर-अपस्केल प्रॉपर्टी और लुधियाना, नासिक, वडोदरा, उदयपुर और लोनावला जैसे शहरों में अपस्केल और मिड-स्केल होटल शामिल हैं।

लक्जरी और अपस्केल होटल सेगमेंट सबसे ज्यादा सक्रिय रहे। कुल सौदों में लक्जरी होटल्स की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत और अपस्केल होटल्स की 41 प्रतिशत रही। वहीं, 69 प्रतिशत डील्स ऐसे होटलों से जुड़ी थीं, जो पहले से संचालन में थे और आय दे रहे थे।

रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार की विभिन्न पहलें भी होटल निवेश के लिए बड़े अवसर पैदा कर रही हैं, जिनमें एयरपोर्ट्स पर भूमि मुद्रीकरण और सरकार द्वारा कराई जा रही नीलामियां शामिल हैं।

इन रणनीतिक क्षेत्रों में यशोभूमि (आईआईसीसी), हैदराबाद के नियोपोलिस, चेन्नई के फिनटेक सिटी और नोएडा के जेवर हवाई अड्डे जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं।

जेएलएल इंडिया के होटल्स और एशिया होटल्स कैपिटल मार्केट्स के वरिष्ठ निदेशक गौरव शर्मा ने कहा कि भारत का होटल निवेश बाजार अब निवेशकों के बढ़ते भरोसे और मजबूत बाजार क्षमता को दिखा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि संस्थागत और घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के कारण सौदों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साथ ही, बड़े शहरों से बाहर भी होटल विस्तार का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली होटल संपत्तियों की उपलब्धता सीमित हो गई है, जिससे निवेशकों के बीच अच्छी गुणवत्ता वाले होटलों की मांग ज्यादा है।रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली तिमाही में भी तेजी बनी रही। इस दौरान होटल निवेश करीब 18.5 करोड़ डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के 11.7 करोड़ डॉलर की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि सरकार की सहायक नीतियां, भूमि मुद्रीकरण योजनाएं और पर्यटन से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास आने वाले समय में होटल निवेश के नए अवसर पैदा करेंगे।

एचडीएफसी एएमसी में सामने आया साइबर सिक्योरिटी का मामला; शेयर करीब 3 प्रतिशत फिसला

नई दिल्ली। एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसे एक अनजान सोर्स से संदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें कहा गया कि उसके पास कंपनी के आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के कुछ हिस्से तक पहुंच है।

कंपनी ने कहा कि यह घटना 16 मई को हुई थी, जिसके बाद उसने संभावित जोखिमों को कम करने के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाते हुए घटना प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल को सक्रिय कर दिया।

एचडीएफसी एएमसी ने कहा है कि उसने घटना के संभावित प्रभाव का विस्तृत आकलन करने के लिए एक विशेषज्ञ साइबर सुरक्षा फर्म को नियुक्त किया है।

एसेट मैनेजर ने फाइलिंग में कहा, 'विस्तृत आकलन जारी है, लेकिन प्रारंभिक आकलन के आधार पर, इस घटना से हमारे व्यवसाय और संचालन की निरंतरता प्रभावित होने की संभावना नहीं है और कंपनी के संचालन पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं दिख रहा है।'

हालांकि, कंपनी ने कथित पहुंच की प्रकृति, संभावित रूप से प्रभावित प्रणालियों या किसी ग्राहक या वित्तीय डेटा के लीक होने की जानकारी का खुलासा नहीं किया।

यह घटना वित्तीय संस्थानों और बाजार अवसंरचना संस्थाओं के सामने बढ़ते साइबर सुरक्षा जोखिमों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है। इससे पहले, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से तेजी से विकसित हो रहे एआई-आधारित साइबर खतरों के प्रति असाधारण रूप से सतर्क रहने का आग्रह किया था।

सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए, सीतारमण ने चेतावनी दी कि किसी प्रमुख एक्सचेंज, डिपॉजिटरी, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन या ब्रोकरेज पर एक भी सफल साइबर हमला राष्ट्रीय स्तर पर बाजारों को बाधित कर सकता है और निवेशकों के विश्वास को कम कर सकता है।

इस घटना के बाद, सोमवार को एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई और बीएसई पर सुबह 11:40 पर कंपनी के शेयर 2.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,622.50 रुपए पर था।

चौथी तिमाही में घाटे के बाद एयर कूलर निर्माता कंपनी सिम्फनी के शेयर 15 महीने के निचले स्तर पर

मुंबई। सिम्फनी लिमिटेड द्वारा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में घाटा दर्ज किए जाने के बाद सोमवार को कंपनी के शेयर में करीब 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। यह फरवरी 2025 के बाद शेयरों में एक दिन में आई अब तक की सबसे बड़ी गिरावट थी।

इसकी वजह कंपनी के ऑस्ट्रेलियाई परिचालन में नुकसान होना है।

दोपहर के कारोबार के दौरान शेयर 7.47 प्रतिशत गिरकर 725.5 रुपए पर कारोबार कर रहा था। कंपनी के शेयरों में पिछले एक महीने में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, 2026 में अब तक 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, और हाल ही के 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,309 रुपए से लगभग 45 प्रतिशत की गिरावट आई है।

सिम्फनी ने मार्च तिमाही के लिए 218 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध घाटा दर्ज किया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में 79 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था।

मुनाफे में आई तीव्र गिरावट का मुख्य कारण ऑस्ट्रेलिया स्थित सहायक कंपनी के परिचालन से संबंधित नुकसान था।

कंपनी द्वारा जारी एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, परिचालन से राजस्व में वार्षिक आधार पर 30.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह तिमाही 338 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह 488 करोड़ रुपए था।

मार्च तिमाही में परिचालन प्रदर्शन पर भी दबाव बना रहा। ईबीआईटीडीए में 53.3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह एक वर्ष पूर्व के 107 करोड़ रुपए से घटकर 50 करोड़ रुपए रह गया, जबकि ईबीआईटीडीए मार्जिन इसी अवधि में 21.9 प्रतिशत से घटकर 14.8 प्रतिशत हो गया।

सिम्फनी ने क्लाइमेट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में सिम्फनी एयू प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) से संबंधित गुडविल में 173.09 करोड़ रुपए की हानि दर्ज की।

कंपनी ने बताया कि व्यावसायिक प्रदर्शन और मुनाफे में गिरावट के साथ-साथ प्रबंधन के प्रयासों के बावजूद अपेक्षित बिजनेस हासिल करने में विफलता के कारण नुकसान हुआ है।

इस तिमाही के दौरान सिम्फनी के प्रदर्शन पर मौसम संबंधी चुनौतियों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और इसकी अंतरराष्ट्रीय सहायक कंपनियों में परिचालन संबंधी समस्याओं का प्रभाव पड़ा।

हालांकि, प्रबंधन ने संकेत दिया कि सहायक कंपनियों का प्रदर्शन स्वतंत्र परिचालन की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर रहा।

6 घंटे से कम सो रहे हैं? जानिए कैसे आपका दिमाग और दिल चुका रहे हैं इसकी कीमत

रात भर जागकर काम करना या वेब सीरीज देखना अब आम बात हो चुकी है। लेट नाइट जागना अब स्टेटस बनता जा रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी यह आदत आपको मौत के करीब धकेल रही है? बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे कम सोने वाला देश बन चुका है। भारतीय शहरों में औसत नींद 8 घंटे से घटकर 6 घंटे या उससे भी कम रह गई है। हर 3 में से 1 कामकाजी वयस्क थकान (क्रॉनिक फटीग) की शिकायत करता है, फिर भी हम इसे नजरअंदाज करते हैं।

लेकिन चिकित्सा विज्ञान की मानें तो नींद की कमी कोई 'स्मार्ट हैक' नहीं, बल्कि एक गंभीर हेल्थ क्राइसिस बन चुका है। इस विषय पर जब देश के दिग्गज डॉक्टरों से न्यूज 18 ने बातचीत की, तो उन्होंने बताया कि किस तरह नींद से समझौता आपके दिल और दिमाग के लिए घातक होता जा रहा है।

दिमाग चुकाता है सबसे पहले कीमत

डॉ. प्रतिमा मूर्ति (NIMHANS की पूर्व निदेशक) का कहना है कि नींद कोई निष्क्रिय (passive) अवस्था नहीं है। यह एक सक्रिय जैविक मरम्मत प्रक्रिया है। जब आप सोते हैं, तो दिमाग दिन भर जमा हुए जहरीले कचरे को साफ करता है। अगर यह सफाई नहीं होती, तो केवल थकान ही नहीं होती, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता कम होने लगती है और भावनात्मक संतुलन बिगड़ जाता है।

सलाह देते हुए डॉ. मूर्ति का कहना है कि नींद की स्वच्छता (sleep hygiene) को गंभीरता से लें। रात में हल्का भोजन करें, कैफीन से बचें और सोने से पहले फोन को खुद से दूर रखें। उनका कहना है कि नींद एक बहुत ही कोमल प्रक्रिया है, लेकिन यह हमारे जीवन का सबसे शक्तिशाली हिस्सा है।

दिल रखता है हर पल का हिसाब

डॉ. पुरुषोत्तम लाल (मेट्रो हॉस्पिटल्स के चेयरमैन और प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट) ने नींद की कमी और दिल की बीमारियों के बीच के खतरनाक संबंध को समझाया। उनका कहना है।

1930 के दशक के जापान से लेकर बिग टेक और एआई तक, 'टेक्नोफैसिज्म' ने कैसे आकार लिया और यह कैसे वैश्विक बन गया

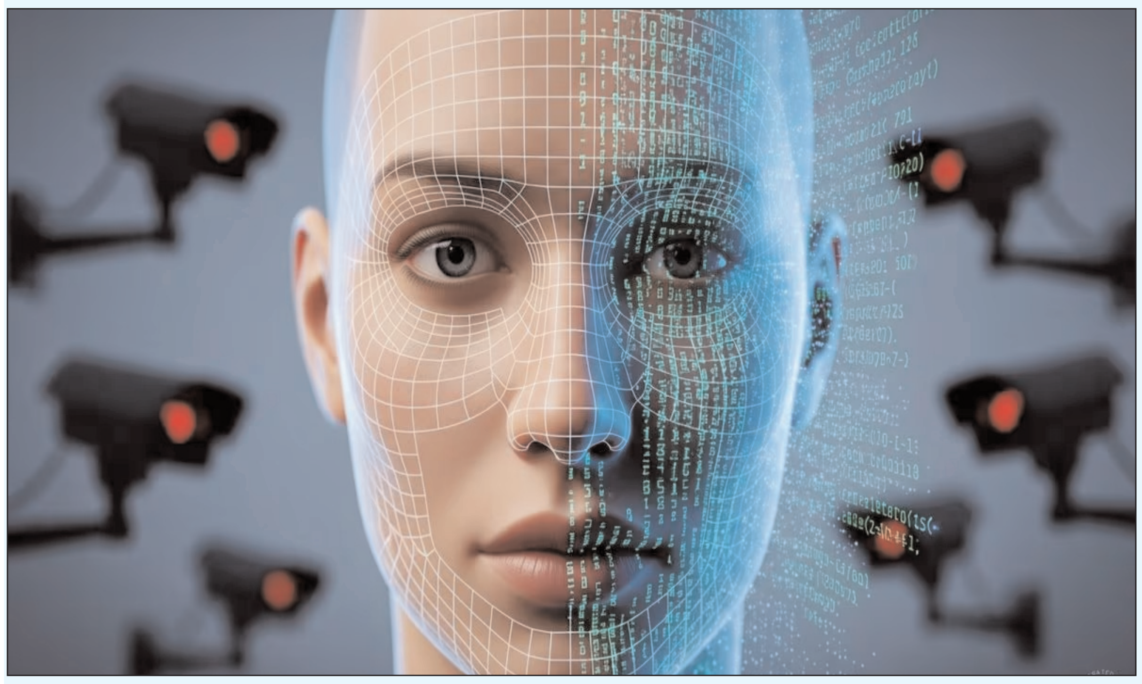

तकनीक और राज्य की शक्ति के बीच चल रही बहस अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। पलान्टिर टेक्नोलॉजीज जैसी डेटा आधारित कंपनियों से जुड़े विवादों से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियों और रक्षा एजेंसियों के बीच बढ़ते समझौतों तक, तकनीकी शक्ति के संकेंद्रण पर सवाल उठाना अब कठिन होता जा रहा है। एआई आधारित निर्णय प्रक्रिया, रियल-टाइम निगरानी क्षमताएं और शासन के लिए निजी तकनीकी फर्मों पर बढ़ती निर्भरता रातों-रात पैदा नहीं हुई है। यह तकनीक, डेटा और राज्य के अधिकार के एक साथ आने का एक लंबा और व्यवस्थित विकास है, जो विशेष रूप से अमेरिका में देखा गया है।

टेक्नोफैसिज्म की शुरुआत कहाँ से हुई? टेक्नोफैसिज्म की शुरुआत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या सिलिकॉन वैली के युग में नहीं हुई थी। इसकी जड़ें आमतौर पर 1930 के दशक के जापान में खोजी जाती हैं, जहाँ तकनीकी विशेषज्ञों के एक समूह ने तकनीकी विशेषज्ञता को राजनीतिक शक्ति के केंद्र में रखकर शासन को नया आकार देना शुरू किया था। आर्थिक तनाव और तेजी से होते औद्योगिकीकरण के उस दौर में, निर्णय लेने की शक्ति निर्वाचित या सार्वजनिक संस्थानों से हटकर इंजीनियरों, योजनाकारों और नौकरशाहों के पास चली गई, जिनका मानना था कि डेटा, सिस्टम और केंद्रीकृत नियंत्रण के माध्यम से समाज को अधिक कुशलता से प्रबंधित किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण सीधे तौर पर राज्य की सैन्य और औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं से जुड़ा था। योजना निकायों ने बड़े पैमाने पर उत्पादन, श्रम और संसाधनों का समन्वय करना शुरू कर दिया, जिससे एक नियंत्रित प्रणाली बनी जहाँ आर्थिक परिणाम और राष्ट्रीय प्राथमिकताएं आपस में गहराई से जुड़ी थीं। मंचूरिया जैसे क्षेत्र इस मॉडल के लिए प्रायोगिक आधार बने, जहाँ प्रशासनिक नियंत्रण, औद्योगिक योजना और निगरानी तंत्र का उपयोग व्यवस्था बनाए रखने और दक्षता बढ़ाने के लिए किया गया। इस प्रणाली की विशेषता केवल इसका तानाशाही होना नहीं था, बल्कि वह तरीका था जिससे शक्ति काम करती थी। राजनीतिक लामबंदी या करिश्माई नेतृत्व के बजाय, नियंत्रण संस्थानों, नियोजन रूपरेखा और तकनीकी प्रणालियों के माध्यम से किया गया। शासन का अर्थ सार्वजनिक भागीदारी के बजाय उत्पादन, व्यवहार और परिणामों का अनुकूलन बन गया।

निगरानी बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार निगरानी प्रणाली की जड़ों को 11 सितंबर के हमलों के बाद के वर्षों में देखा जा सकता है। इसके बाद, अमेरिका में सुरक्षा शासन का मुख्य सिद्धांत बन गई। सरकारों ने डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने की अपनी क्षमता का काफी विस्तार किया, जिसमें अक्सर सार्वजनिक जांच बहुत सीमित रही। भविष्य के खतरों को रोकने की आवश्यकता के नाम पर निगरानी बुनियादी ढांचा तेजी से बढ़ा। जो शुरुआत में सीमित निगरानी के रूप में शुरू हुआ था, वह जल्द ही बड़े पैमाने पर डेटा संग्रह में बदल गया, जिसने उस प्रणाली की नींव रखी जहाँ सूचना राज्य की शक्ति का केंद्र बन गई। तब भी जोर सुरक्षा पर ही था—जोखिम को ट्रैक करने, पता लगाने और रोकने के लिए एक उपकरण के रूप में तकनीक का उपयोग।

शक्ति केंद्र के रूप में बिग टेक का उदय जैसे-जैसे निगरानी करने वाला राज्य विस्तृत हुआ, एक और बदलाव यानी बड़ी तकनीकी कंपनियों का उदय हो रहा था। गूगल, फेसबुक और अमेज़ॅन जैसी फर्में केवल उत्पाद नहीं बना रही थीं, बल्कि वे 2000 के दशक की शुरुआत से ही उपयोगकर्ता डेटा का अभूतपूर्व भंडार जमा कर रही थीं। 1995 में एक ऑनलाइन बुकस्टोर के रूप में शुरू हुई अमेज़ॅन ने उपयोगकर्ता के व्यवहार—जैसे लोग क्या देखते हैं, क्या खोजते हैं और क्या खरीदते हैं—को ट्रैक करके अपनी डेटा क्षमताओं का निर्माण शुरू कर दिया।

आपकी चाय भी नकली तो नहीं? 3000 Kg मिलावटी पत्ती जब्त, ऐसे करें घर पर असली-नकली चाय पत्ती की पहचान

भारत में चाय को सिर्फ एक रिफ्रेशिंग ड्रिंक के रूप में नहीं देखा जाता है, कई लोगों के लिए यह एक इमोशन है। यहां चाय के साथ सिर्फ दिन की ही नहीं, बल्कि रिश्तों की भी शुरुआत होती है। ऐसे में चाय पत्ती में मिलावट की खबर दिल तोड़ने जैसी है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी दल (एच-फास्ट) ने शहर भर में छापेमारी की और 3,000 किलोग्राम मिलावटी चाय पाउडर और 1,500 किलोग्राम एक्सपायर्ड चाय पाउडर सहित अन्य सामग्री जब्त की है। भले ही यह मामला देश के एक हिस्से से आया है, लेकिन हो सकता है कि आपके शहर में भी चाय पत्ती में मिलावट का खेल चल रहा हो। ऐसे में जरूरी है कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बिना देरी आप अपने किचन में रखी चाय पत्ती को यहां बताए गए तरीकों से टेस्ट करें। समय रहते असली और नकली चाय पत्ती की पहचान आपको गंभीर जोखिम से बचा सकती है।

FSSAI के चाय में मिलावट पहचानने के आसान टेस्ट

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने कुछ आसान तरीके बताए हैं, जिनसे आप घर पर ही चाय की शुद्धता जांच सकते हैं।

पानी टेस्ट – एक गिलास सामान्य तापमान के पानी में एक चम्मच चाय पत्ती डालें। अगर चाय शुद्ध है, तो पानी का रंग नहीं बदलेगा। लेकिन अगर मिलावट है, तो पानी लाल या अलग रंग का हो सकता है।

फिल्टर पेपर टेस्ट – एक फिल्टर पेपर लें और उस पर चाय पत्ती फैला दें। उस पर थोड़ा पानी छिड़ककर गीला करें और फिर नल के पानी से धो लें। अब इसे रोशनी में देखें। अगर चाय शुद्ध है, तो कोई दाग नहीं दिखेगा। मिलावटी चाय में काला या भूरा दाग नजर आएगा।

कलर टेस्ट – इस टेस्ट के लिए आपको सबसे पहले चाय बनानी पड़ेगी। चाय बनाकर उसका रंग देखें। असली चाय का रंग साफ और चमकदार होता है, जबकि मिलावटी चाय का रंग धुंधला या असामान्य लग सकता है।

घुलनशीलता टेस्ट – चाय पत्ती को पानी में डालें। शुद्ध चाय पत्ती पूरी तरह नहीं घुलती, बस फूलती है। लेकिन मिलावटी चाय पानी में घुलकर पाउडर जैसी हो सकती है।

मिलावटी चाय पीने के नुकसान

रिपोर्ट्स के अनुसार, चाय की गुणवत्ता जांचने के लिए कई मानक होते हैं, फिर भी बाजार में मिलावट की जाती है।

इसमें इस्तेमाल होने वाले नकली रंग और केमिकल सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। इससे ब्लड प्रेशर (हाई बीपी) बढ़ सकता है। लिवर और किडनी को नुकसान हो सकता है। इसमें कीटनाशक और केमिकल हो सकते हैं, जो लंबे समय में कैंसर, हार्मोन असंतुलन और दिमागी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों में यह एलर्जी भी कर सकता है, जैसे खुजली, रैशेज या गंभीर स्थिति में सांस लेने में दिक्कत। इसलिए चाय खरीदते और पीते समय सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

निकोटीन की लत से लेकर फेफड़ों के नुकसान तक: वेपिंग के प्रभाव समझिए

पिछले कुछ वर्षों में वेपिंग को अक्सर धूम्रपान का 'सुरक्षित' विकल्प बताकर प्रचारित किया गया है, खासकर युवाओं और पहली बार उपयोग करने वालों के बीच। लेकिन ई-सिगरेट पारंपरिक सिगरेट की तरह तंबाकू नहीं जलातीं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। वेपिंग के जरिए शरीर में निकोटीन और अन्य रसायन पहुंचते हैं, जो फेफड़ों, दिल और दिमाग पर गंभीर असर डाल सकते हैं।

वेपिंग क्या है?

वेपिंग में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट या वेप डिवाइस से निकलने वाले एरोसोल (जिसे आमतौर पर वेपर कहा जाता है) को सांस के साथ अंदर लिया जाता है। इन डिवाइस में एक तरल पदार्थ गर्म किया जाता है, जिसमें आमतौर पर निकोटीन, फ्लेवर और अन्य रसायन होते हैं।

यह तंबाकू नहीं जलाता, इसलिए कुछ जहरीले तत्व कम हो सकते हैं, लेकिन 'कम' का मतलब 'सुरक्षित' नहीं होता।

धूम्रपान इससे कैसे अलग है?

पारंपरिक सिगरेट में तंबाकू जलता है, जिससे धुआं बनता है जिसमें हजारों रसायन होते हैं—जैसे टार और कार्बन मोनोऑक्साइड।

धूम्रपान का सीधा संबंध फेफड़ों के कैंसर, दिल की बीमारी, स्ट्रोक और पुरानी सांस की बीमारियों से है। तंबाकू जलने के कारण इसमें ज्यादा कैंसरकारी तत्व होते हैं।

क्या वेपिंग ज्यादा सुरक्षित है?

विशेषज्ञ मानते हैं कि वेपिंग में पारंपरिक सिगरेट की तुलना में कुछ कम जहरीले रसायन हो सकते हैं, लेकिन इसमें भी जोखिम मौजूद हैं।

वेप में निकोटीन, भारी धातुएं, बेहद महीन कण और अन्य हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं, जो समय के साथ फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं।

निष्कर्षः वेपिंग, धूम्रपान से कम हानिकारक हो सकती है, लेकिन पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

निकोटीन की लत एक बड़ी चिंता

सिगरेट और ज्यादातर ई-सिगरेट दोनों में निकोटीन होता है, जो बेहद लत लगाने वाला पदार्थ है।

यह दिल की धड़कन बढ़ाता है, ब्लड प्रेशर बढ़ाता है और इसे छोड़ना मुश्किल बना देता है।

किशोरों और युवाओं में यह दिमाग के विकास, ध्यान और मूड पर भी असर डाल सकता है।

वेपिंग से फेफड़ों को नुकसान

कुछ वेप लिक्विड में ऐसे रसायन होते हैं जो फेफड़ों में जलन या सूजन पैदा कर सकते हैं।

वेपिंग से जुड़े गंभीर फेफड़ों की चोट के मामले भी सामने आए हैं। लगातार वेपिंग से खांसी, सांस फूलना, घरघराहट या अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं।

धूम्रपान में कैंसर का ज्यादा खतरा

तंबाकू जलने के कारण धूम्रपान का संबंध फेफड़ों, गले, मुंह और अन्य अंगों के कैंसर से ज्यादा मजबूत है।

वेपिंग पर लंबे समय के अध्ययन अभी जारी हैं, लेकिन धूम्रपान के खतरों के प्रमाण अधिक स्पष्ट हैं।

पैसिव एक्सपोजर (दूसरों पर असर)

सिगरेट का धुआं आसपास के लोगों को भी नुकसान पहुंचाता है।

वेपिंग का एरोसोल भी दूसरों को निकोटीन और रसायनों के संपर्क में ला सकता है, हालांकि आमतौर पर कम स्तर पर। फिर भी 'कम नुकसान' का मतलब 'कोई नुकसान नहीं' नहीं है।

दक्षिण कोरिया में PI: क्या यह फॉरेक्स और क्रेडिट कार्ड की जगह ले सकता है? भारत के वैश्विक विस्तार के लिए इसका क्या मतलब है

भारतीय यात्रियों के लिए अब दक्षिण कोरिया में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के जरिए सिर्फ त्क्र कोड स्कैन करके भुगतान करना संभव हो गया है। यह कदम सिर्फ सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की अपनी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक स्तर पर फैलाने और अपने नागरिकों के लेन-देन के तरीके को बदलने की बढ़ती महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है।

भारत और दक्षिण कोरिया ने एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत UPI-आधारित QR कोड के जरिए दोनों देशों के इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सिस्टम को जोड़ा जाएगा। इसके बदले दक्षिण कोरिया के पर्यटक भारत में अपने घरेलू QR भुगतान सिस्टम का उपयोग कर सकेंगे।

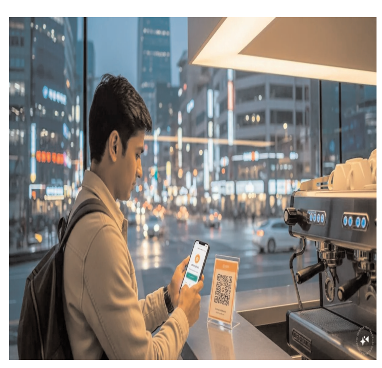

विदेश में भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए UPI कैसे काम करता है

भारतीय यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्ष्छ का उपयोग लगभग वैसा ही है जैसा भारत में होता है। उपयोगकर्ता भाग लेने वाले व्यापारियों के QR कोड को स्कैन कर भुगतान करते हैं, और राशि सीधे उनके भारत में लिंक किए गए बैंक खाते से कट जाती है।

हालांकि, इसके पीछे की प्रक्रिया अधिक जटिल होती है। अंतरराष्ट्रीय UPI लेन-देन भारत के भुगतान नेटवर्क और मेजबान देश के स्थानीय भुगतान सिस्टम के बीच साझेदारी पर आधारित होते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि दक्षिण कोरिया में QR कोड स्कैन करने पर भुगतान कोरियाई वॉन में प्रोसेस हो और समकक्ष राशि भारतीय रुपये में काटी जाए।

इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी परिचितता है। यात्रियों को अब नए भुगतान तरीकों को सीखने या ज्यादा नकदी रखने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे रोजमर्रा के खर्च में आसानी होती है।

दक्षिण कोरिया में UPI कहां इस्तेमाल कर सकते हैं

दक्षिण कोरिया में UPI का उपयोग मुख्य रूप से उन जगहों पर केंद्रित है जहां अंतरराष्ट्रीय पर्यटक अधिक जाते हैं। इसमें रिटेल स्टोर, रेस्तरां, कैफे और चुनिंदा पर्यटन स्थल शामिल हैं, जहां पहले से ही QR आधारित भुगतान आम है।

दक्षिण कोरिया का उन्नत डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम UPI के लिए उपयुक्त है। कई व्यापारी पहले से त्क्र सिस्टम का उपयोग करते हैं, जिससे इसका विस्तार आसान हो जाता है। plutos ONE के संस्थापक और CEO रोहित महाजन के अनुसार, 'दक्षिण कोरिया में UPI का विस्तार ZeroPay के साथ इंटीग्रेशन पर आधारित है।

भूकंप से सुनामी कैसे बनती है—समझिए

सोमवार को जापान के उत्तर-पूर्वी तट के पास 7.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद अधिकारियों ने तटीय इलाकों से दूर रहने की सलाह दी, जहां 3 मीटर (9.84 फीट) तक ऊंची सुनामी लहरों की आशंका जताई गई।

जापान में क्या हुआ?

अधिकारियों के अनुसार, सबसे ऊंची लहरें जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तरी हिस्से में स्थित इवाते और आओमोरी प्रांतों, और उत्तरी द्वीप होक्काइडो में आने का अनुमान था। भूकंप शाम 4:52 बजे (0752 GMT) आया और उसके बाद एक घंटे के भीतर 80 सेंटीमीटर तक ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जबकि 3 मीटर तक की लहरों की चेतावनी जारी रही।

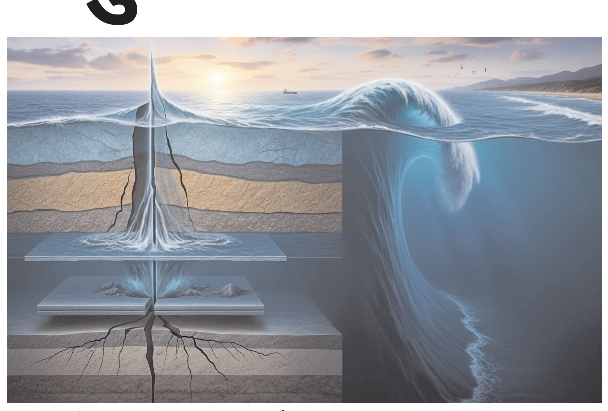

सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के अनुसार, ओत्सुची और कामाइशी जैसे कई बंदरगाह शहरों—जो 2011 के भीषण भूकंप और सुनामी से बुरी तरह प्रभावित हुए थे—में हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए।

प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने कहा कि सरकार ने एक आपातकालीन टास्क फोर्स का गठन किया है और प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

सुनामी कैसे बनती है?

सुनामी आमतौर पर भूकंप के कारण बनती है, जब समुद्र की सतह (सीफ्लोर) अचानक ऊपर-नीचे खिसकती है, जिससे उसके ऊपर मौजूद विशाल जलराशि विस्थापित हो जाती है। इस हलचल से चारों दिशाओं में लहरों की एक श्रृंखला बनती है, ठीक वैसे ही जैसे तालाब में पत्थर फेंकने पर तरंगें फैलती हैं।

अधिकांश भूकंप-जनित सुनामी सबडक्शन जोन में होती हैं, जहां एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती है। इस प्रक्रिया में प्लेटें अक्सर घर्षण के कारण 'फंस' जाती हैं, जिससे ऊपर वाली प्लेट झुककर ऊर्जा जमा करती रहती है, जैसे दबाया हुआ स्प्रिंग। जब यह ऊर्जा घर्षण से ज्यादा हो जाती है, तो प्लेट अचानक अपनी मूल स्थिति में लौटती है और समुद्र तल तथा ऊपर के पानी को जोर से ऊपर धकेल देती है।

यह अचानक धक्का समुद्र की सतह पर पानी का एक उभार बनाता है। फिर गुरुत्वाकर्षण इस पानी को नीचे खींचता है, जिससे लहरें तेज गति से चारों दिशाओं में फैल जाती हैं।

कभी-कभी भूकंप के झटकों से समुद्र के भीतर भूस्खलन भी हो जाता है, जो पर्याप्त पानी को विस्थापित कर सुनामी पैदा कर सकता है।

क्या हर भूकंप से सुनामी आती है?

हर भूकंप से सुनामी नहीं बनती। इंटरनेशनल सुनामी इंफॉर्मेशन सेंटर और NOAA के अनुसार, इसके लिए कुछ शर्तें जरूरी हैं।

नीतू कपूर के कमबैक से खुद को जोड़ पाती हूं, महिलाओं को मिलनी चाहिए ऐसी हिम्मत : रुबीना दिलैक

मुंबई। अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं।

रुबीना ने आईएएनएस से खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है। नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।

रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए। अभिनव जानते हैं कि मैं अपने काम से कितना प्यार करती हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि वे समाज की पुरानी सोच और रूढ़ियों को तोड़ रहे हैं। हम अपनी बेटियों को अलग मूल्य-प्रणाली देना चाहते हैं। जब लोग कहते हैं कि मर्द को इस तरह पेश आना चाहिए या औरत को इस तरह काम करना चाहिए तो हम कहते हैं- अब बहुत हो गया। हम उन बंदिशों को हटा पा रहे हैं।'

रुबीना ने जोर देकर कहा कि एक-दूसरे का साथ निभाना आसान नहीं है लेकिन कोशिश छोड़ नहीं देनी चाहिए। यही असली मर्द की पहचान है। रुबीना जल्द ही स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी।

'मनगढ़ंत खबरें बंद करें'... मौनी रॉय से तलाक की खबरों के बीच सूरज नांबियार ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई । अभिनेत्री मौनी रॉय और सूरज नांबियार के अलग होने की खबरों को लेकर चल रही अफवाहों और अटकलों पर सूरज नांबियार ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ दी है। सोमवार को सोशल मीडिया पर अपना जारी करते हुए मीडिया से न केवल मनगढ़ंत खबरें को बंद करने बल्कि दोनों को आगे का रास्ता शांति से तय करने की अपील भी की।

सूरज ने सारी अटकलों को सिरे से खारिज कर हुए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा, 'हमारी रिपोर्ट्स गलत तरीके से और पूरी तरह से गलत इरादे से बनाई गई हैं। मैं एक बार और हमेशा के लिए रिकॉर्ड साफ कर दूं। कोई एलिमनी नहीं है। कोई झगड़ा नहीं है। इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मौनी और मैंने एक-दूसरे की इज्जत करते हुए और एक-दूसरे की भलाई का पूरा ध्यान रखते हुए, एक साथ अलग होने का फैसला किया। यही सच है। बाकी जो कुछ भी बताया जा रहा है वह मनगढ़ंत है। कुछ लोग जानबूझकर हमें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। सूरज ने स्पष्ट रूप से कहा कि मौनी और उनके बारे में या किसी तीसरे व्यक्ति को लेकर जो भी दावे किए जा रहे हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'दूसरे लोगों को इसमें घसीटना ठीक नहीं है, खासकर उन दोस्तों को जिनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। सूरज ने मीडिया ऑर्गनाइजेशंस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा, 'मीडिया हाउस ने ऐसी बातें गढ़ी हैं, जो असल में हैं ही नहीं। ये रिपोर्ट्स बिना किसी वेरिफिकेशन के प्रकाशित की गई हैं, जो बहुत गलत है। जानबूझकर गलत जानकारी फैलाने के सामने चुप रहना मुझे मंजूर नहीं है।'

उन्होंने अपने संयुक्त बयान का जिक्र करते हुए कहा, 'हमारे जॉइंट स्टेटमेंट में वह सब कुछ कहा गया था जो कहना जरूरी था। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि उसका सम्मान करें और हमें शांति से अपनी जिंदगी आगे बढ़ने दें।

दरअसल, कुछ दिन पहले ही मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया था, जिसके बाद उनके अलग होने की खबरें तेजी से वायरल हो गईं। इसके बाद दोनों ने संयुक्त बयान जारी कर अलग होने की पुष्टि की थी।

आखिर क्यों अचानक बंद करने पड़े हर्ष गुजराल को अपने लाइव शो? नए पोस्ट ने बढ़ाया बड़ा सस्पेंस

मुंबई। स्टैंड-अप कॉमेडियन हर्ष गुजराल इन दिनों लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वह जल्द ही टीवी के सबसे चर्चित और स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आने वाले हैं। शो में उनकी एंट्री की खबर सामने आने के बाद से ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। इसी बीच हर्ष गुजराल ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा पोस्ट किया, जिसने उनके चाहने वालों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी। पोस्ट में उन्होंने अपने लाइव शो को कुछ समय के लिए रोकने की जानकारी दी और इसके पीछे की वजह भी बताई।

मुंबई, 18 मई (आईएएनएस)। स्टैंड-अप कॉमेडियन हर्ष गुजराल इन दिनों लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वह जल्द ही टीवी के सबसे चर्चित और स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आने वाले हैं। शो में उनकी एंट्री की खबर सामने आने के बाद से ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। इसी बीच हर्ष गुजराल ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा पोस्ट किया, जिसने उनके चाहने वालों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी। पोस्ट में उन्होंने अपने लाइव शो को कुछ समय के लिए रोकने की जानकारी दी और इसके पीछे की वजह भी बताई।

हर्ष गुजराल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट में लिखा, 'अगले कुछ दिनों तक लाइव शो नहीं होंगे क्योंकि अब हम 'खतरों के खिलाड़ी' के रोमांचक सफर पर निकल रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस सीजन में हम ऐसा प्रदर्शन करेंगे, जिससे आप सभी को गर्व महसूस होगा।

शिल्पा शेट्टी के नए शो में मचेगा धमाल, मां संग पहुंचे 'गुल्लू' तो पापा का हाथ थामे दिखीं मनीषा रानी

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' लेकर आ रही हैं। 10 एपिसोड वाली नॉन-फिक्शन सीरीज में युवा सितारे अपनी मां के साथ नजर आएंगे। शो में मां और बच्चे मिलकर कुकिंग चैलेंज पूरा करेंगे।

सोमवार को शो में जाने से पहले कंटेंट क्रिएटर और रियलिटी टीवी स्टार कुशाल तंवर 'गुल्लू', तानिया मित्तल समेत कई लोकप्रिय चेहरे अपनी मां के साथ नजर आए। कंटेंट क्रिएटर मनीषा रानी अपने पिता के साथ दिखीं। मनीषा ने शो में जाने से पहले मीडिया से अपने पिता की मुलाकात करवाई।

इसी दौरान मनीषा से उनके नए घर के बारे में पूछा गया, तो मनीषा ने सभी को बताया कि 10 दिन में उनके घर का काम खत्म हो जाएगा, उसके बाद गृह प्रवेश समारोह में सभी को बुलाएंगी।

इस शो को मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं, जिसमें किचन के बहाने पीढ़ियों के बीच के अंतर, मीठी नोकझोंक और मां-बच्चे के अटूट प्यार की झलक देखने को मिलेगी।

शो में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ और बिग बॉस फेम तानिया मित्तल अपनी मां के साथ शामिल होंगी। इसके अलावा, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर गुल्लू, शाहिदा अंसारी, और भाग्यश्री शर्मा भी अपने परिवार के सदस्यों के साथ नजर आएंगी।

'बिग बॉस ओटीटी सीजन 2' फेम मनीषा रानी ने मुंबई में अपना नया घर खरीदा है। कुछ समय पहले ही उन्होंने अपने घर पर छोटी-सी पूजा रखी थी, जिसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। मनीषा रानी ने 'बिग बॉस ओटीटी 2' से अपनी पहचान बनाई है। एल्विश यादव और अभिषेक मल्हान के साथ उनकी दोस्ती को भी बहुत पसंद किया गया था। इसके बाद उन्होंने 'झलक दिखला जा सीजन 11' में अपने शानदार डांस से जीत हासिल की और विजेता बनीं। कुछ समय पहले ही उन्हें 'द 50' में देखा गया था।

आईपीएल में केएल राहुल की रिकॉर्ड तोड़ पारी से खुश हुए सुनील शेट्टी, खास अंदाज में दामाद पर जताया गर्व

मुंबई। 'आईपीएल- 2026' में केएल राहुल लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतरीन अर्धशतक लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। राहुल ने आईपीएल में आठवीं बार एक सीजन में 500 से ज्यादा रन पूरे किए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं।

फैंस के साथ-साथ परिवार भी राहुल की इस उपलब्धि पर काफी खुश है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने भी अपने दामाद की इस कामयाबी पर खास अंदाज में खुशी जाहिर की।

सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर केएल राहुल का एक पोस्टर साझा किया। इस पोस्टर में राहुल की तस्वीर के साथ उनकी उपलब्धि की जानकारी दी गई थी कि उन्होंने आईपीएल में आठवीं बार 500 से ज्यादा रन पूरे कर लिए हैं। पोस्टर में राहुल बैटिंग फॉर्म में नजर आ रहे है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए सुनील शेट्टी ने ऊपर की तरफ 'नजर' से बचाने वाली इमोजी भी लगाई। सुनील शेट्टी का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस को भी अभिनेता का यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

बता दें कि सोशल मीडिया पर राहुल और सुनील शेट्टी के बीच हमेशा अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिलती रही है और कई मौकों पर वह खुले तौर पर राहुल की तारीफ करते भी नजर आ चुके हैं।

अगर राहुल के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में 42 गेंदों में 56 रनों की दमदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने एक चौका और तीन छक्के लगाए। राहुल की बल्लेबाजी के चलते दिल्ली कैपिटल्स ने मैच में मजबूत पकड़ बनाई और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

इस अर्धशतक के साथ राहुल ने आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सबसे ज्यादा 50 से ज्यादा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने अब तक राजस्थान के खिलाफ 9 बार 50 से ज्यादा रन बनाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम था।

राहुल आईपीएल में लगातार रन बनाने वाले सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने जाते हैं।

भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग बुरी तरह ट्रोल करते हैं, यह शर्मनाक है : अमीषा पटेल

मुंबई। अभिनेत्री अमीषा पटेल एक्टिंग के साथ ही कई मुद्दों पर भी खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों के ट्रोलिंग कल्चर पर तीखा हमला बोला। अमीषा का कहना है कि भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग हॉलीवुड सितारों से ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बेहद दुखद और शर्मनाक है।

अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली हो गई है। अमीषा ने बड़े इवेंट्स में सितारों के लुक और पहनावे को लेकर फैल रही नकारात्मकता पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे 'दुखद' और 'शर्मनाक' बताया। अमीषा ने लिखा, 'भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग, हॉलीवुड सितारों की तुलना में उनके अपने देश में ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बहुत दुख की बात है। हालांकि, ये कोई पहली बार नहीं है, जब अमीषा पटेल खुलकर अपनी बात रखती नजर आईं। इससे पहले वह एक्टर्स के पीआर गेम को लेकर पहले भी सुर्खियों में रह चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में अपने एक्स पोस्ट पर कहा कि वे अपने बयान पर पूरी तरह कायम हैं। दरअसल, मुंबई में पैपराजी से बात करते हुए अमीषा ने कहा था, 'सही तो कहा मैंने। आजकल सभी अपने आप को नंबर वन समझते हैं। अमीषा ने एक्स पोस्ट पर यंग एक्टर्स पर तंज कसते हुए लिखा था कि जिन्होंने अभी तक कोई 200 करोड़ क्लब की फिल्म नहीं दी है, वे पीआर टीम को पैसे देकर खुद को नंबर 1 और नंबर 2 बता रही हैं। अमीषा ने साफ कहा, 'खुद को सुपरस्टार तभी कहो, जब तुमने कोई ऐसा काम किया हो जो इतिहास रच दे।

स्वीडन यात्रा को प्रधानमंत्री मोदी ने बताया 'सकारात्मक और सार्थक'

स्टॉकहोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वीडन यात्रा संपन्न कर नॉर्वे रवाना हुए। पीएम ने इस दौरे को अत्यंत फलदायी बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्वीडन में मिले सम्मान और दौरे की उपलब्धियों को दर्शाता वीडियो क्लिप भी साझा किया और स्वीडिश जनता और प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन का आभार जताया।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'स्वीडन की मेरी यात्रा कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ संपन्न हुई, जो भारत-स्वीडन संबंधों को नई गति प्रदान करेंगी।

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'हमारे संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने, संयुक्त नवाचार साझेदारी 2.0 और भारत-स्वीडन प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता कॉरिडोर की शुरुआत करने से लेकर अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक — हमारी चर्चाएं अत्यंत सकारात्मक और सार्थक रहीं।'

प्रधानमंत्री ने स्वीडन की जनता, स्वीडन सरकार और प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन को उनके स्नेह, गर्मजोशी और मित्रता के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

वीडियो क्लिप में प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट करते स्वीडिश फाइटर जेट्स, 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रैंड क्रॉस' सम्मान, और गोथेनबर्ग में आयोजित 'यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री' (ईआरटी) का संबोधन जैसे अहम पलों की झलकियां हैं। यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूरोप के बीच साझेदारी केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा मूल्यों, लोकतंत्र और विविधता द्वारा निर्देशित है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला लेयेन, यूरोप के उद्योग जगत के शीर्ष नेतृत्व और प्रमुख यूरोपीय तथा भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों ने वोल्वो ग्रुप की ओर से आयोजित इस संवाद में भाग लिया।

इससे पहले पीएम मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से नवाजा गया। यह किसी भी देश के प्रधानमंत्री या सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान है।

अमेरिकी हथियार लेकर दर्जनों विमान पहुंचे इजरायल : मीडिया रिपोर्ट

तेल अवीव। इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, देश की सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। वहीं अमेरिकी हथियार लेकर दर्जनों विमान के इजरायल पहुंचने की भी खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये ईरान पर नए हमलों की तैयारी है।

पब्लिक ब्रॉडकास्टर 'कान' ने एक अज्ञात सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि यदि अमेरिका ईरान पर नए हमले करता है, तो इजरायल भी उसमें शामिल हो सकता है और ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बना सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटनाक्रम रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई लगभग आधे घंटे की बातचीत के बाद सामने आया, जिसमें कथित तौर पर दोनों नेताओं ने ईरान में संभावित नए संघर्ष पर चर्चा की। चैनल 12 की रिपोर्ट कहती है कि यह बातचीत 'ईरान में फिर से संघर्ष की तैयारियों के बीच' हुई और इजरायली सेना को उच्च सतर्कता पर रखा गया है।

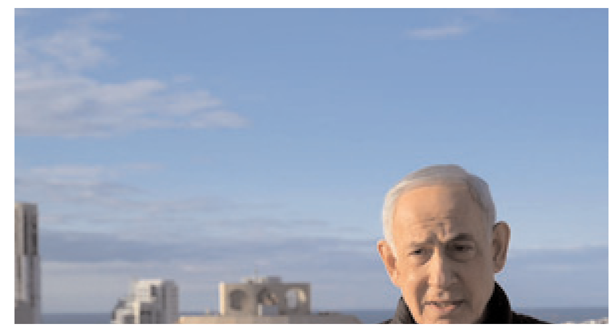

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इजरायल को उम्मीद है कि किसी भी अमेरिकी कार्रवाई से पहले उसे सूचना दी जाएगी, हालांकि संभावित निर्णय की टाइमिंग को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है। चैनल 12 के मुताबिक ट्रंप पर चीन समेत कई पक्षों का दबाव है कि वह ईरान के साथ नए सैन्य टकराव में शामिल न होकर कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। इस बीच, इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स ने ये भी दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में जर्मनी स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों से हथियार और गोला-बारूद लेकर दर्जनों कार्गो विमान तेल अवीव पहुंचे हैं, जो ईरान के खिलाफ संभावित नए हमलों की ओर इशारा करता है। इजरायली चैनल-13 ने दावा किया कि अमेरिकी कार्गो विमान बड़ी मात्रा में गोला-बारूद लेकर इजरायल पहुंचे हैं। यह खेप ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने की तैयारी का हिस्सा है।

संक्षिप्त खबर

बलूचिस्तान में प्रशासन ने लगाई धारा 144, तीस दिनों तक रहेगा प्रभावी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में धारा 144 लागू कर दी गई है। अधिकारियों ने इसे संभावित आतंकवादी खतरों के मद्देनजर एक एहतियाती कदम बताया है। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी।

गृह विभाग की अधिसूचना के अनुसार, यह प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं और 30 दिनों तक प्रभावी रहेंगे। इनमें हथियारों के प्रदर्शन पर रोक, मोटरसाइकिल पर डबल राइडिंग और पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध शामिल है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढकने (मास्क, मफलर या किसी अन्य वस्तु से) पर भी प्रतिबंध लगाया गया है, ताकि पहचान प्रक्रिया बाधित न हो। सभी डिविजनल कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों, पुलिस अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को इन आदेशों के सख्त पालन के निर्देश दिए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गृह विभाग के सहायक अधिकारी बाबर यूसुफजई ने बताया कि मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने (पिलियन राइडिंग) और चार से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है। सुरक्षा बलों को संभावित हमलों के मद्देनजर हाई अलर्ट पर रखा गया है।

इस बीच, 16 मई को पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा स्थिति के बिगड़ते हालात पर चिंता जताई थी। आयोग ने कहा कि इन क्षेत्रों में लोग जबरन गायब किए जाने, टारगेट किलिंग और उग्रवादी हमलों के बीच फंसे हुए हैं। एचआरसीपी ने ग्वादर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्र-उपकुलपति और दो अन्य कर्मचारियों के मस्तुंग में कथित अपहरण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य की प्रमुख राजमार्गों को सुरक्षित रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

आयोग ने खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू, बाजौर और लक्की मरवत में हुए घातक हमलों का भी जिक्र किया, और सरकार से ठोस कार्रवाई की अपील की, ताकि मानव जीवन और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर लागू की नई व्यवस्था

तेहरान। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नई व्यवस्था लागू करने का ऐलान कर दिया है। नई अथॉरिटी बनाई है जो समुद्री संचालन पर रियल टाइम निगरानी रखेगी। सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी।

सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल स्ट्रेट के प्रबंधन हेतु नया निकाय 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए)' बनाने की घोषणा की गई है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा कि यह संस्था होर्मुज स्ट्रेट के संचालन और ताजा घटनाक्रमों पर 'रियल-टाइम अपडेट' जारी करेगी।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट्स दावा कर रही हैं कि अमेरिकी विमान बड़ी मात्रा में हथियार लेकर इजरायल पहुंच गए

हैं और इजरायली सेना को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

पीजीएसए समुद्री गतिविधियों की निगरानी और संचालन से जुड़ी सूचनाएं साझा करेगी। ईरान पहले ही जहाजों के लिए नए ट्रांजिट नियम और अनुमति प्रणाली लागू करने के संकेत दे चुका था। दो दिन पहले ही तेहरान ने एक नए सिस्टम की बात की थी। ईरान के अनुसार, उनका ये सिस्टम फ्रीडम प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अपनी योजना साझा की थी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'ईरान ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा की गारंटी के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में यातायात प्रबंधन के लिए एक पेशेवर तंत्र तैयार किया है, जिसे जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। इस प्रक्रिया में केवल वाणिज्यिक जहाज और ईरान के साथ सहयोग करने वाले पक्ष ही लाभान्वित होंगे।'

भारत ने यूएई के बराकाह परमाणु संयंत्र पर हमले को लेकर चिंता जताई

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र को निशाना बनाकर किए गए कथित ड्रोन हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। भारत ने इस घटना को खतरनाक तनाव वृद्धि बताया और सभी पक्षों से संयम बरतने तथा कूटनीतिक संवाद की राह पर लौटने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत यूएई के बराकाह परमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर किए गए हमले को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करता है। इस तरह की कार्रवाइयां अस्वीकार्य हैं और यह खतरनाक तनाव वृद्धि को दर्शाती हैं। हम सभी पक्षों से तत्काल संयम बरतने तथा संवाद और कूटनीति की राह पर लौटने की अपील करते हैं।'

भारत की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं, विशेष रूप से परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता

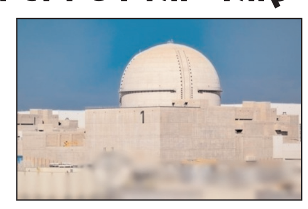

बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के तहत परमाणु सुविधाओं को अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल धफरा क्षेत्र में स्थित बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र अरब दुनिया का पहला परिचालन परमाणु ऊर्जा संयंत्र है और यह देश की ऊर्जा अवसंरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे प्रतिष्ठानों पर किसी भी खतरे ने क्षेत्रीय सुरक्षा और परमाणु सुरक्षा को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को यूएई के अल धफरा क्षेत्र स्थित बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र परिसर में ड्रोन हमले के बाद आग लग गई।

अमेरिका के शिकागो में सड़क हादसे में एक भारतीय छात्रा की मौत

शिकागो। अमेरिका में शिकागो के पास एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय भारतीय छात्रा की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। इसकी पुष्टि सोमवार को अधिकारियों ने की।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शनिवार देर रात (अमेरिकी समयानुसार) इंडियाना के लेक काउंटी में क्राउन पॉइंट के पास इंटरस्टेट 65 राजमार्ग पर हुई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मृत छात्रा की पहचान नव्या गडुसु के रूप में हुई है। लेक काउंटी कोरोनर कार्यालय ने पुष्टि की है कि रविवार को रात 12:16 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में गंभीर चोट लगने की वजह से गडुसु की मौत हो गई। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस हादसे में

जान गंवाने वाले छात्रा की मृत्यु पर दुख जताया और कहा कि वह पीड़ित परिवार के साथ लगातार संपर्क में है।

दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'शिकागो के पास एक सड़क दुर्घटना में भारतीय छात्रा नव्या गडुसु के निधन से हम बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में हम उनके परिवार और मित्रों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास मृतक के परिवार के संपर्क में है। हम उन मित्रों और समुदाय के सदस्यों के भी संपर्क में हैं जो दुर्घटना में घायल हुए लोगों की सहायता कर रहे हैं।'

इंडियाना स्टेट पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शनिवार रात लगभग 11:15 बजे हुई। जांचकर्ताओं ने बताया कि सात वयस्कों को ले जा रही एक लाल मिनीवैन लगभग 10 से 15 मील प्रति घंटे की बहुत धीमी गति से एक अन्य वाहन के पीछे चल रही थी, जिसमें कथित तौर पर कुछ तकनीकी खराबी थी।

कतर और कुवैत ने सऊदी अरब पर ड्रोन हमले की निंदा की

दोहा/ कुवैत। कतर और कुवैत ने सऊदी अरब पर किए गए ड्रोन हमलों की निंदा की है। दोनों देशों ने अलग-अलग बयान जारी कर इसे क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डालने वाला बताया है।

कुवैत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का हवाला देते हुए कहा, 'यह घुसपैठ मार्च में खाड़ी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए पारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का उल्लंघन है।' साथ ही, उसने सऊदी अरब की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के प्रति अपना समर्थन जताया।

कतर ने इस घटना को 'अस्वीकार्य आक्रमण' बताया और इसे सऊदी अरब की संप्रभुता का सीधा उल्लंघन कहा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कतर सऊदी अरब के साथ पूरी तरह खड़ा है और उसकी सुरक्षा, संप्रभुता तथा अपने नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करता

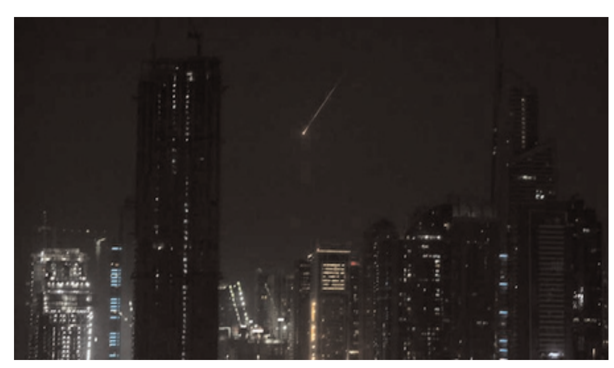

है। दोनों देशों ने रियाद के साथ अपनी पूर्ण एकजुटता जताते हुए कहा कि वे सऊदी क्षेत्र और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए किए जाने वाले सभी उपायों का समर्थन करते हैं।

यह बयान सऊदी अरब के तीन संदिग्ध ड्रोन को अपने एयर डिफेंस सिस्टम से मार गिराने के दावे के बाद सामने आया है। सऊदी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि देश अपनी संप्रभुता और सुरक्षा का उल्लंघन करने की किसी भी कोशिश के जवाब में आवश्यक सैन्य और परिचालन कदम उठाएगा। अल-मालिकी ने यह भी कहा कि सऊदी क्षेत्र में नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि अप्रैल में लागू हुए अस्थायी संघर्ष विराम के बाद ईरान संघर्ष से जुड़ी शत्रुताएं काफी हद तक कम हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद इराक से खाड़ी देशों की ओर ड्रोन भेजे जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। रविवार को ही यूएई के बराकाह परमाणु संयंत्र के बाहर ड्रोन अटैक हुआ था।

इडाहो एयर शो में अमेरिका के दो लड़ाकू विमान हवा में टकराए

इडाहो (संयुक्त राज्य अमेरिका)। अमेरिका के इडाहो स्थित माउंटेन होम एयरफोर्स बेस में एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान हवा में टकरा गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना के बाद अधिकारियों ने एयर बेस को लॉकडाउन में डाल दिया और सभी शेष निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए।

यह घटना एयर शो के दौरान हुई, जब दो ईए-18जी ग्रोवलर विमान हवा में टकराने के बाद लगभग दो मील दूर क्रैश हो गए। टक्कर के तुरंत बाद आपातकालीन टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया और दुर्घटनास्थल के पास घना

काला धुआं उठता देखा गया।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दोनों सैन्य विमान हवा में टकराकर अलग होते दिखाई दिए। इसके कुछ ही क्षण बाद चार पैराशूट दिखे, जिससे संकेत मिला कि चालक दल के सदस्य समय रहते विमान से बाहर निकल गए थे।

यूएस नेवी ने बाद में पुष्टि की कि दोनों विमानों में सवार चारों क्रू मेंबर सुरक्षित रूप से इजेक्ट करने में सफल रहे। स्थानीय अखबार इडाहो स्टेट्समैन के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान मौजूद एक उद्घोषक ने दर्शकों को बताया कि दुर्घटना से पहले ही सभी चारों चालक दल के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल चुके थे।

भारतीय एजेंसियां अल-कायदा से जुड़े संगठनों की गतिविधियों पर रख रहीं पूरी नजर

नई दिल्ली। अल-कायदा से जुड़े संगठन अंसार अल-इस्लाम (एएआई) के दोबारा सक्रिय होने की आशंकाओं के बीच भारतीय खुफिया एजेंसियां उन पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। यह संगठन 2021 में इराक में स्थापित हुआ था और शुरू में इसने धर्मनिरपेक्ष कुर्द गुटों और अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

इस संगठन का इराकी ढांचा काफी हद तक बिखर चुका है, लेकिन इसका बांग्लादेश स्थित विंग अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) फिर से सक्रिय होने के संकेत दे रहा है। एक खुफिया ब्यूरो अधिकारी ने बताया कि फिलहाल एबीटी जमीनी स्तर पर बहुत सक्रिय नहीं है, और यह एक रणनीति के तहत जानबूझकर 'लो-प्रोफाइल' बना

हुआ है ताकि उस पर ध्यान कम जाए। हालांकि, संगठन की ऑनलाइन गतिविधियां काफी तेज हैं और वह भारतीयों को निशाने पर रख रिक्रूटमेंट की कोशिश कर रहा है। अधिकारी के अनुसार एबीटी अपने पाकिस्तानी समकक्ष एएआई पाकिस्तान के साथ भी करीबी तालमेल में काम कर रहा है। दोनों संगठन मिलकर भर्ती गतिविधियों को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें मुख्य फोकस भारत पर है। इन दोनों संगठनों का इतिहास हिंसक और कट्टरपंथी गतिविधियों से जुड़ा रहा है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि एएआई पाकिस्तान की तुलना में एबीटी ज्यादा खतरनाक है। बांग्लादेश में कड़े दमन के बाद एबीटी की जमीन पर गतिविधियां काफी सीमित हो गई हैं, इसलिए यह अब ऑनलाइन गतिविधियों के जरिए सक्रिय है। भारत में इसकी भर्ती रणनीति इसी दिशा पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि एबीटी भारत में वही मॉडल दोहराना चाहता है जो उसने बांग्लादेश में अपनाया था। इसका उद्देश्य भारत में ऐसे लोगों का नेटवर्क तैयार करना है जो कथित तौर पर 'इस्लाम-विरोधी' लोगों- जैसे धर्मनिरपेक्ष लेखकों, बुद्धिजीवियों और बाद में राजनीतिक वर्ग को निशाना बना सकें।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल संधू से की मुलाकात, विकास संबंधी मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को उपराज्यपाल टीएस संधू के साथ विकास और प्रगति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक सरकार द्वारा सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और मानसून की बाढ़ को रोकने के उपायों को अपनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच हुई।

दिल्ली लोक निवास के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा गया, 'मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरदार तरनजीत सिंह संधू से लोक निवास में भेंट की। इस दौरान दिल्ली के विकास और प्रगति से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।'

ये चर्चाएं मुख्यमंत्री के इस बात को दोहराने के बाद हुईं कि अगर यह दिल्ली की जनता से संबंधित है, तो विकास कार्य जरूर किया जाएगा। उन्होंने द्वारका के विकास के लिए 150 करोड़ रुपये और कीर्तनगर से पालम तक 6,200 करोड़ रुपये की मेट्रो विस्तार परियोजना की भी घोषणा की।

इससे पहले सोमवार को, मुख्यमंत्री गुप्ता ने 'मेरा भारत, मेरा योगदान' जन अभियान के तहत शुरू की गई 'मेट्रो मंडे' पहल में भाग लिया, जिसमें सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, ईंधन संरक्षण और जिम्मेदार नागरिक भागीदारी का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री की अपील के बाद, दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने भी अपने कार्यालयों तक आने-जाने के लिए मेट्रो रेल और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों का इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री ने अपने दिन की शुरुआत जनभागीदारी के संदेश के साथ की। वे सिविल लाइंस स्थित राजनिवास मार्ग पर अपने आवास से पास ही स्थित लोक निवास तक पैदल चलकर गईं, जहां उन्होंने उपराज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

इसके बाद मुख्यमंत्री इलेक्ट्रिक कार से कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन तक गईं और वहां से दिल्ली मेट्रो की मदद से आईटीओ मेट्रो स्टेशन पहुंचीं। आईटीओ मेट्रो स्टेशन पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने फीडर बस सेवा का उपयोग करके दिल्ली सचिवालय स्थित अपने कार्यालय तक यात्रा की। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री परवेश वर्मा और रविंदर इंद्रराज भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं है, बल्कि जनभागीदारी का एक आंदोलन है। इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को यह संदेश देना है कि राष्ट्रीय हित में किया गया एक छोटा सा प्रयास भी देश की ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक संतुलन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मध्य प्रदेश में जनजातीय वर्ग को 25 सरकारी सुविधाएं दिलाने को शुरू हुआ अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश में जनजातीय वर्ग की जिंदगी में खुशहाली लाने के प्रयास जारी है और इसी क्रम में सरकार ने 25 सरकारी सुविधा दिलाने का अभियान चलाया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जनजातीय वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 18 से 25 मई तक राष्ट्रव्यापी सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान जन भागीदारी , सबसे दूर, सबसे पहले अभियान संचालित किया जा रहा है।

जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. विजय शाह ने विभाग के सभी मैदानी अधिकारियों को सफलतापूर्वक शिविर लगाने एवं लक्षित समूह को लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त सह संचालक जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान जनजातीय समुदाय के हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों की सभी जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें योजनाओं से लाभान्वित भी किया जाएगा।

बताया गया है कि अभियान के तहत आयोजित शिविरों में 18 विभागों की कुल 25 सेवाओं का लाभ जनजातीय वर्ग के ग्रामीणों को उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र हितग्राही अनुसार शासन की योजनाओं से वंचित न रहे।

संक्षिप्त खबर

हजारीबागः छात्रा की खुदकुशी मामले में आरोपी छात्र और शिक्षिका पर कार्रवाई की मांग

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिला मुख्यालय स्थित विवेकानंद विद्यालय की छात्रा श्वेता कुमारी की मौत मामले की जांच की मांग को लेकर सोमवार को इसके परिजनों और सैकड़ों स्थानीय नागरिकों ने विद्यालय के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन किया। आरोप है कि श्वेता कुमारी विद्यालय के एक छात्र के अनैतिक दबाव और एक शिक्षिका की धमकियों से इस कदर आहत हुईं कि उसने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

करीब एक घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित लोगों ने 'श्वेता कुमारी को इंसाफ दो' के नारे लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और श्वेता की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अविलंब कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। शहर के बड़ा बाजार थाना क्षेत्र का है, जहां 15 वर्षीय छात्रा श्वेता कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। श्वेता के पिता संजय गुप्ता के अनुसार, विद्यालय का ही एक छात्र सोलेंज राणा पिछले करीब एक महीने से श्वेता को लगातार प्रताड़ित कर रहा था और उस पर अनैतिक दबाव बना रहा था।

परिजनों का यह भी आरोप है कि विद्यालय की एक शिक्षिका प्रतिभा सिंह ने भी छात्रा को फोन कर धमकाया था। इस दोहरी प्रताड़ना और गहरे तनाव के कारण छात्रा ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। स्थिति बिगड़ने पर उसे हजारीबाग के आरोग्यम अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद रांची के मेदांता अस्पताल रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान 15 मई को उसने दम तोड़ दिया। सोमवार को स्कूल गेट पर स्थानीय लोगों के आक्रोश प्रदर्शन की सूचना मिलते ही बड़ा बाजार थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेता अमरदीप यादव और मुक्ति धाम सेवा संस्थान के नीरज कुमार की टीम ने भी प्रदर्शनकारियों और छात्रा के परिजनों से बातचीत की।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को पूरी निष्पक्षता के साथ जांच करने का भरोसा दिलाया। प्रशासन की ओर से आधिकारिक आश्वासन दिया गया कि मामले में नामजद आरोपी छात्र और शिक्षिका को एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। इस आश्वासन के बाद ही प्रदर्शन समाप्त हुआ। पुलिस ने पिता के लिखित बयान के आधार पर मामला दर्ज कर तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के सहारे आगे की छानबीन तेज कर दी है।

यूपी पुलिस ने नौ वर्षों में 289 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में किया ढेर, 34,253 गिरफ्तार

लखनऊ। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 289 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 17,043 मुठभेड़ की कार्रवाइयां की, जिनमें 34,253 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

एनकाउंटर की कार्रवाई में 11,834 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि 1,852 पुलिसकर्मी घायल हुए। सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गई, जहां पुलिस ने 4,813 कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 8,921 अपराधी दबोचे गए, जबकि 3,513 अपराधी घायल हुए। वहीं, 97 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 477 पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी शहीद हुए। एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में मेरठ जोन पहले स्थान पर रहा है।

इसी तरह वाराणसी जोन में 1,292 मुठभेड़ हुई, जिनमें 2,426 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 29 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया गया। इस दौरान 907 अपराधी और 104 पुलिसकर्मी घायल हुए। पूरे प्रदेश में वाराणसी जोन एनकाउंटर कार्रवाई में दूसरे स्थान पर है। वहीं, एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में आगरा जोन तीसरे स्थान पर है। यहां 2,494 एनकाउंटर की कार्रवाई की गई, जिनमें 5,845 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 968 अपराधी घायल हुए, जबकि 24 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 62 पुलिसकर्मी घायल हुए। एनकाउंटर आंकड़ों पर नजर डालें तो बरेली जोन में 2,222 मुठभेड़ों के दौरान 21 दुर्दांत अपराधियों को मार गिराया गया, वहीं लखनऊ जोन में 971 मुठभेड़ों के दौरान 20 अपराधी मारे गए। गाजियाबाद कमिश्नरी में 789 मुठभेड़ों में 18 अपराधी मारे गए। सभी कमिश्नरेट में यह सबसे अधिक है। कानपुर जोन में 791 मुठभेड़ों में 12, लखनऊ कमिश्नरी में 147 मुठभेड़ों में 12 और प्रयागराज जोन में 643 मुठभेड़ों में 11 अपराधियों को मारा गया। इसी तरह आगरा कमिश्नरी में 489 मुठभेड़ों में 10, गौतमबुद्ध नगर में 1,144 मुठभेड़ों में 9, गोरखपुर जोन में 699 मुठभेड़ों में 8, वाराणसी कमिश्नरी में 146 मुठभेड़ों में 8, प्रयागराज कमिश्नरी में 150 मुठभेड़ों में 6 और कानपुर कमिश्नरी में 253 मुठभेड़ों में 4 अपराधियों को ढेर किया गया।

बंगाल में भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार की दिशा में बड़ा कदम

कोलकाता। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी प्रशासन देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। भाजपा सरकार ने सोमवार को नई कैबिनेट के मंत्रियों के लिए कई पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (डब्ल्यूबीसीएस) अधिकारियों को 'एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट' नियुक्त किया।

सूत्रों के मुताबिक, इन अधिकारियों का चयन उनकी साफ-सुथरी, पारदर्शी और राजनीतिक रूप से निष्पक्ष सेवा रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए किया गया है। राज्य के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने नियुक्तियों को लेकर अधिसूचना जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द नई जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है। 2013 बैच के डब्ल्यूबीसीएस अधिकारी बिस्वनाथ चौधरी को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष का एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट नियुक्त किया गया है। चौधरी फिलहाल हुगली जिला परिषद में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत हैं। वहीं 2016 बैच के अधिकारी कृष्ण चंद्र मुंडा को पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री खुदीराम टुडु का एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट बनाया गया है। वह वर्तमान में बांकुड़ा जिले में डिप्टी मजिस्ट्रेट-कम-डिप्टी कलेक्टर के रूप में तैनात हैं। इसके अलावा 2016 बैच के ही अधिकारी कौशिक कुमार मैती को खाद्य एवं आपूर्ति तथा सहकारिता मंत्री अशोक कीर्तनिया का एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय को हटाने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

हैदराबाद। तेलंगाना की मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने सोमवार को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार को तुरंत पद से हटाने की मांग की। यह मांग उनके बेटे बंदी भगीरथ की पोक्सो केस में गिरफ्तारी के बाद की गई। बंदी भगीरथ पर एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न का आरोप है। बीआरएस के विधायकों और अन्य नेताओं ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांग के समर्थन में नारे लगाए। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पार्टी विधायक पी कौशिक रेड्डी के नेतृत्व में हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, वेमुलवाड़ा में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने चलमेडा लक्ष्मी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने मांग की कि नाबालिग पीड़िता को न्याय मिलना चाहिए। प्रदर्शनकारी बैनर और पोस्टर लेकर सड़क पर बैठ गए और मंत्री के तुरंत इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर केंद्रीय राज्य मंत्री इस्तीफा देने से इनकार करते हैं, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्हें पद से हटा देना चाहिए। करीमनगर जिले के गंगाधरा में पूर्व विधायक सुनके रविशंकर ने एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

जुझारजी महाराज की मूर्ति खंडित करने पर लोगों का फूटा आक्रोश, पुलिस कर रही जांच

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा शहर के पुर रोड स्थित प्रतापनगर स्कूल परिसर में स्थापित 100 वर्ष प्राचीन जुझार जी महाराज की मूर्ति को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने का एक निंदनीय मामला सोमवार को सामने आया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे क्षेत्र में भारी रोष और असंतोष फैल गया। पवित्र देवस्थान पर हुई इस तोड़फोड़ की खबर से स्थानीय निवासियों सहित विभिन्न सामाजिक और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश है।

इस प्राचीन देवस्थान से लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। यहां तेली समाज के गुटकणिया परिवार द्वारा विगत कई वर्षों से नियमित रूप से पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। इस तरह अचानक आस्था के केंद्र को निशाना बनाए जाने से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिसके चलते मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारियों सहित तेली समाज के युवा और प्रबुद्धजन घटना स्थल पहुंचे। इस दौरान घटना को लेकर लोगों में रोष देखा गया। सूचना मिलते ही विहिप के कमल राजपुरोहित, प्रमोद शर्मा, राज सालवी तथा तेली समाज से रामेश्वर लाल तेली, भीमराज गुटकणिया, भगवती लाल तेली, जगदीश चंद्र गुटकणिया, दीपक कुमार, रतन लाल, भैरूलाल, ओम प्रकाश और किशन गुटकनिया सहित दर्जनों लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस-प्रशासन से दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विहिप के भीलवाड़ा महानगर सह-मंत्री सुशील सुवालका ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व लगातार भीलवाड़ा शहर की शांत फिजा में जहर घोलकर भाईचारे और शांत माहौल को खराब करने की घिनौनी कोशिशें कर रहे हैं। ऐसी ताकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से कहा कि जल्द से जल्द दोषियों को बेनकाब कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं।

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रतापनगर थाना प्रभारी सुनील ताड़ा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले को शांत कराने और मामला सुलझाने के लिए समझाने के प्रयास शुरू किए। थाना प्रभारी सुनील ताड़ा ने बताया कि पुलिस टीम ने घटनास्थल का मौका-मुआयना किया है। असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

जनता दरबार में सख्त दिखे केशव, बोले- गरीबों के इलाज में देरी बर्दाश्त नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने सरकारी आवास कालिदास मार्ग पर आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेशभर से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। बांदा दौरे पर रवाना होने से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में इलाज के लिए आर्थिक सहायता, जमीन पैमाइश, अवैध कब्जे, बिजली, सड़क और नाली-पानी निकासी जैसी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं।

जनता दरबार में पहुंचे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों की समस्याओं को उपमुख्यमंत्री ने सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आर्थिक सहायता से जुड़ी फाइलों का निस्तारण बिना देरी के किया जाए, ताकि कोई भी गरीब व्यक्ति पैसे के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। जनता की समस्याओं पर सख्त रुख अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री ने जिला एवं शासन स्तर के अधिकारियों को फोन पर और लिखित रूप से निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। जमीन विवादों और पैमाइश के मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर स्थिति का सत्यापन करें और पीड़ित को न्याय दिलाएं। बिजली विभाग को ओवरबिलिंग, जर्जर तारों और खराब व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए, जबकि राजस्व विभाग को भूमि विवादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया।

चारधाम यात्रा में बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु, पर्यटन मंत्री बोले- सरल और सुगम यात्रा की कोशिश जारी

केदारनाथ। चारधाम यात्रा को लेकर उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम की यात्रा चालू है। उन्होंने बताया कि चारों धामों के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 15,63,672 पहुंच गई है।

सतपाल महाराज ने बताया कि इस यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से कुल 36,58,631 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई समस्या सामने आती है, व्यवस्थाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है। बद्रीनाथ, केदारनाथ मंदिर समिति पूरी तरह से इसके लिए जिम्मेदार है। हमारी कोशिश है कि यात्रा सरल और सुगम हो। सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से 10 करोड़ की राशि का बीमा करवाया गया है। बीमा प्रीमियम की धनराशि 3 लाख 67 हजार 995 है। उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी ने चारधाम यात्रा को लेकर कहा कि चारधाम यात्रा काफी बेहतरीन तरीके से चल रही है। देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आ रहे हैं। भरत चौधरी ने कहा कि श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से देखा जाए, तो एक नया रिकॉर्ड बनने जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं की गई हैं। यात्रा मार्ग पर किसी भी श्रद्धालु को परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

बता दें कि चार धाम यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस साल ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रही है। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा के केवल 25 दिनों में ही 15.63 लाख से अधिक श्रद्धालु हिमालय स्थित पवित्र धामों के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह श्रद्धा और आस्था की अभूतपूर्व लहर को दर्शाता है।

विश्व केसरी

माइक्रोग्रैविटी में नींद कैसे पूरी करते हैं एस्ट्रोनॉट्स, सफाई के लिए भी आजमाते हैं अनोखा तरीका

नई दिल्ली। स्पेस की दुनिया रहस्य और रोमांच से भरी पड़ी है। ऐसे में क्या आप जानते हैं कि अंतरिक्ष में सोना कितना अलग और रोमांचक हो सकता है। सोना ही नहीं बल्कि स्पेस में खुद को माइक्रोग्रैविटी में साफ-सुथरा रखना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। इन विषयों पर विस्तार से जानकारी कनाडियन स्पेस एजेंसी (सीएसए) के एस्ट्रोनॉट जेरेमी हैनसेन ने दी।

सामने आए एक पुराने वीडियो में जेरेमी हैनसेन जानकारी देते नजर आए। नासा के आर्टेमिस II मिशन के क्रू में शामिल जेरेमी ने बताया कि ओरियन स्पेसक्राफ्ट में वे एक-दूसरे के बगल में झूले जैसे स्लीपिंग बैग में लटककर सोए। जेरेमी हैनसेन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए वीडियो में बताया कि माइक्रोग्रैविटी में सोना अगले स्तर का अनुभव होता है।

उन्होंने बताया, 'हम हैंडरेल्स की मदद से खुद को स्थिर रखे। ये हैंडरेल्स पूरे यान में लगे रहते हैं, इन्हीं से हम अपने स्लीपिंग बैग्स को बांधते हैं। सभी क्रू सदस्य एक साथ सोते हैं और केबिन को सोने के हिसाब से तैयार किया जाता है। जेरेमी ने बताया कि कुछ लोग सीटों पर सोते हैं तो कोई ऊपर की तरफ। क्रिस्टीना ने ऊपर वाली जगह चुनी थी, जहां उनके पैर डॉकिंग टनल में रहे। इस स्थिति में वह चमगादड़ की तरह लटकती हुई नजर आईं

लेकिन माइक्रोग्रैविटी में यह बहुत आरामदायक और सुकून भरी जगह है।

जेरेमी हैनसेन ने एक अन्य वीडियो में स्पेस में सफाई का तरीका भी बताया, उन्होंने कहा कि स्पेसक्राफ्ट में शावर या बहते पानी की सुविधा नहीं रहती है ऐसे में खुद को साफ रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। एस्ट्रोनॉट्स अपनी सफाई के लिए वेट वाइप्स का इस्तेमाल करते हैं। शेविंग के लिए इलेक्ट्रिक रेजर और शरीर की दुर्गंध दूर करने के लिए डियोडरेंट साथ रखते हैं।

वहीं, दांत ब्रश करने के लिए सामान्य टूथब्रश और पानी की छोटी थैलियां होती हैं। ब्रश करने के बाद पानी निगलने की बजाय उसे तौलिए में थूकना पड़ता है। जेरेमी ने इसे बैककंट्री कैंपिंग से जोड़ते हुए कहा कि यह थोड़ा वैसा ही अनुभव है। हालांकि, उनके पास अपना टॉयलेट जरूर है।

कैसे दिखते हैं बूढ़े होते तारे, ईएसए ने दिखाई 'फैंटम स्ट्रीक नेबुला' की झलक

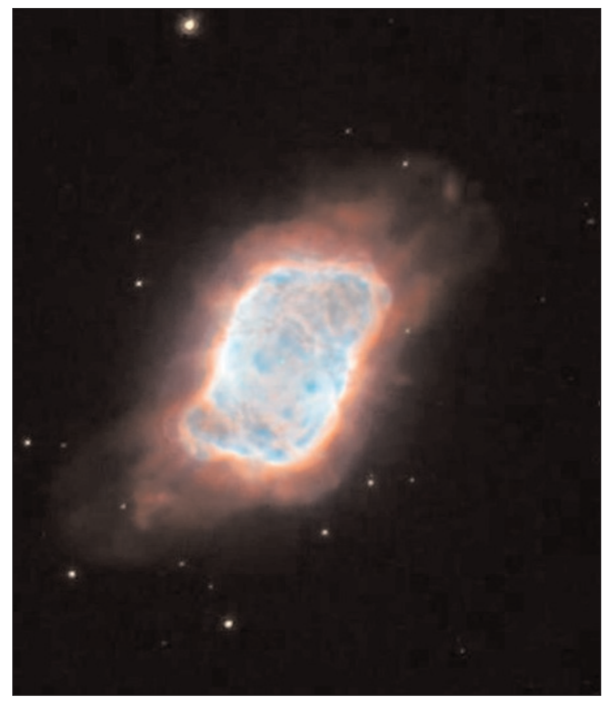

नई दिल्ली। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने एक शानदार तस्वीर जारी कर दिखाया है कि बूढ़े होते तारे अपने आखिरी दौर में कैसे दिखते हैं। हबल स्पेस टेलीस्कोप की इस तस्वीर में एक प्लैनेटरी नेबुला दिखाई दे रहा है, जिसमें तारे की बाहरी गैसीय परतें अंतरिक्ष में फैल गई हैं और तेज अल्ट्रावॉयलेट रोशनी में चमक रही हैं।

ईएसए ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हबल का समय! यह तस्वीर एनजीसी 6741 नामक प्लैनेटरी नेबुला की है, जिसे फैंटम स्ट्रीक नेबुला भी कहा जाता है। यह नेबुला पृथ्वी से लगभग 7 हजार प्रकाश वर्ष दूर एक्विला (चील) तारामंडल में स्थित है। प्लैनेटरी नेबुला नाम सुनकर भ्रमित न हों, क्योंकि इसमें कोई ग्रह नहीं होता। 18वीं शताब्दी में खगोलविदों को दूरबीन में ये गैस के गोलाकार बादल हमारे सौर मंडल के ग्रहों जैसे दिखाई देते थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।'

एनजीसी 6741 काफी चमकीला है, लेकिन सामान्य दूरबीन से यह बहुत छोटा दिखाई देता है। इसकी खोज पहली बार 1882 में एडवर्ड चार्ल्स पिकरिंग ने की थी। अगर बूढ़े तारे के जीवन चक्र पर नजर डालें, तो सूर्य जैसे मध्यम आकार के तारे या उनसे थोड़े बड़े तारे जब अपना ईंधन खत्म करने लगते हैं, तब वे 'रेड जायंट' यानी लाल विशाल तारे में बदल जाते हैं। इस चरण में तारा फैल जाता है और अपनी बाहरी गैसीय परतों को अंतरिक्ष में छोड़ देता है। केंद्र में बचा हुआ गर्म और छोटा तारा तेज अल्ट्रावॉयलेट किरणें छोड़ता है, जो इन गैसों को चमका देती हैं। इसी अवस्था को प्लैनेटरी नेबुला कहा जाता है। ये नेबुला आमतौर पर करीब 10 हजार वर्षों तक चमकते रहते हैं। इसके बाद गैस धीरे-धीरे बिखर जाती है और पीछे केवल एक ठंडा, धुंधला सफेद बौना तारा बच जाता है।

एनजीसी 6741 सामान्य गोलाकार नेबुला से अलग है। इसका आकार आयताकार है, जो काफी हद तक चमकते तकिए जैसा दिखाई देता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसमें एक दूसरा तारा यानी बाइनरी स्टार भी मौजूद है, जिसकी वजह से इसकी आकृति अनोखी बनी है। प्लैनेटरी नेबुला आमतौर पर छल्ले, तश्तरी या नली जैसे आकार में दिखाई देते हैं। इनकी आकृति चुंबकीय क्षेत्र और आसपास मौजूद अन्य तारों के प्रभाव से तय होती है।

पेट में जलन और एसिडिटी से हैं परेशान? रसोई में मौजूद ये मसाले दे सकते हैं राहत

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पेट से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। देर रात तक जागना, समय पर खाना न खाना और घंटों बैठकर काम करना अब लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। यही वजह है कि एसिडिटी, पेट में जलन, खट्टी डकारें, गैस और अपच जैसी परेशानियां अब हर उम्र के लोगों में आम हो गई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, जब पेट में बनने वाला एसिड भोजन नली की तरफ लौटने लगता है, तो उसे एसिड रिफ्लक्स कहा जाता है। इससे सीने में जलन और पेट में भारीपन जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। इससे राहत पाने के लिए भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले कई मसाले मौजूद है, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

सौंफ- सौंफ को पाचन के लिए सबसे फायदेमंद माना जाता है। सौंफ में एनेथोल नाम का प्राकृतिक तत्व पाया जाता है, जिसे पेट की मांसपेशियों को आराम देता है। रिसर्च में पाया गया है कि यह पेट में बनने वाली गैस को कम करने में मदद करता है। खाने के बाद सौंफ चबाने की आदत पाचन सुधारने के लिए

लाभकारी होती है। कई लोग सौंफ का पानी पीते हैं, जिससे पेट हल्का महसूस होता है और जलन में राहत मिलती है।

जीरा- जीरा भी भारतीय भोजन का अहम हिस्सा है और आयुर्वेद में इसका उपयोग लंबे समय से किया जाता रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों के मुताबिक, जीरे में मौजूद क्यूमिनाल्डिहाइड नाम का तत्व पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करने में मदद करता है। इससे भोजन जल्दी पचता है। जब खाना सही तरीके से पचता है, तो पेट में दबाव कम बनता है और एसिड रिफ्लक्स की संभावना भी घटती है। जीरा पानी पीना गैस और भारीपन कम करने का एक घरेलू तरीका माना जाता है।

अदरक- अदरक को भी पाचन सुधारने वाली प्राकृतिक जड़ी-बूटी के रूप में देखा जाता है।

इसमें जिंजरोल और शोआगोल जैसे तत्व मौजूद होते हैं, जिनमें सूजन कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। ये तत्व पेट को तेजी से खाली करने में मदद करते हैं, जिससे भोजन लंबे समय तक पेट में नहीं रुकता। कई बार धीमा पाचन भी एसिडिटी और जलन की वजह बनता है। अदरक को हल्के गर्म पानी, हर्बल चाय या भोजन में सीमित मात्रा में शामिल किया जा सकता है।

इलायची- इलायची को भी पेट के लिए फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, इलायची शरीर में पाचन प्रक्रिया को संतुलित रखने में मदद करती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व पेट की सूजन कम करने में सहायक माने जाते हैं। कई लोग खाने के बाद इलायची चबाते हैं, जिससे मुंह की बदबू कम होने के साथ पाचन में भी मदद मिलती है। चाय या दूध में इलायची डालने से स्वाद के साथ पेट को भी आराम मिलता है।

पोषक तत्वों से भरपूर 'कटहल', सेहत के साथ-साथ स्वाद का भी साथी

नई दिल्ली । प्रकृति ने पोषक तत्वों से भरपूर ऐसी कई फल-फूल व सब्जियां दी हैं, जो स्वाद में लाजवाब होने के साथ ही सेहत के लिए अनगिनत फायदों से भरे होते हैं। आयुर्वेद फाइबर, विटामिन सी समेत अन्य औषधीय गुणों से भरपूर कटहल के सेवन की सलाह देता है।

बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग कटहल या जैकफ्रूट के बारे में विस्तृत जानकारी देता है। विभाग का कहना है कि कटहल न सिर्फ पोषक तत्वों से भरपूर है बल्कि स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी भी है। इसके फलों का उपयोग न केवल अच्छे पोषण को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बिहार सरकार के अनुसार, कटहल का पेड़ न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है बल्कि स्थानीय आजीविका को भी मजबूत बनाता है। कटहल की खेती से किसानों को अच्छी आय हो सकती है। यह पेड़ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है क्योंकि यह बड़े पैमाने पर ऑक्सीजन देता है और मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखता है।

कटहल का वैज्ञानिक नाम आर्टोकार्पस हेटरोफिलस है। यह एक मध्यम आकार का सदाबहार पेड़ है। इसकी सबसे बड़ी पहचान इसका बड़ा फल है, जिसकी बाहरी सतह छोटी-छोटी सुई जैसी नोकों से ढकी होती है। कटहल का फल न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि पोषण का खजाना भी है। कटहल विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और संक्रमण से बचाता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को सुधारकर कब्ज की समस्या दूर करता है और पेट को स्वस्थ रखता है। इसके अलावा, कटहल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। कटहल का सेवन करने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान कम होती है। यह फल वजन नियंत्रण में भी सहायक है क्योंकि इसमें कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होता है। कटहल के फल के साथ-साथ इसके बीज भी अत्यंत पौष्टिक होते हैं। बीजों को उबालकर या भूनकर खाया जा सकता है, जो प्रोटीन का अच्छा स्रोत है।

जाइडस वेलनेस का मुनाफा वित्त वर्ष 26 में 47 प्रतिशत घटकर 197 करोड़ रुपए रहा

मुंबई। कंज्यूमर कंपनी जाइडस वेलनेस ने सोमवार को वित्त वर्ष 26 के नतीजे जारी किए। कंपनी का मुनाफा बीते पूरे वित्त वर्ष के लिए 47 प्रतिशत घटकर 197 करोड़ रुपए हो गया है। हालांकि, इस दौरान कंसोलिडेटेड बिक्री 46.4 प्रतिशत बढ़कर 3,940 करोड़ रुपए हो गई है।

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 6 प्रतिशत कम होकर 162 करोड़ रुपए हो गया है।

वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड आय सालाना आधार पर 62.1 प्रतिशत बढ़कर 1,476 करोड़ रुपए हो गई है।

कंपनी ने कहा कि वर्ष के दौरान राजस्व वृद्धि नए अधिग्रहीत व्यवसायों के योगदान से प्रेरित थी, हालांकि एकीकरण संबंधी खर्चों और उच्च परिचालन लागतों के कारण मुनाफे पर दबाव बना रहा।

परिचालन प्रदर्शन अपेक्षाकृत स्थिर रहा, वित्त वर्ष 2026 में एबिटा में वार्षिक आधार पर 34.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 509 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 26 के लिए 2 रुपए अंकित मूल्य के प्रत्येक शेयर पर 1.20 रुपए के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है, जो 4 अगस्त को होने वाली वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है।

कंपनी ने बताया कि उसके प्रमुख ब्रांडों में, शुगर फ्री ने चीनी के विकल्प वाले सेगमेंट में 96.1 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अपना दबदबा बरकरार रखा है।

इस ब्रांड ने शुगर फ्री डी'लाइट चोको स्प्रेड जैसे नए उत्पादों को लॉन्च करके संबंधित श्रेणियों में भी विस्तार किया है। प्रोटीन स्नैकिंग ब्रांड राइटबाइट मैक्स प्रोटीन ने अपने परिचालन को लगातार बढ़ाया और लाभप्रदता में सुधार करते हुए लगभग दोहरे अंकों के एबिटा मार्जिन को हासिल किया। कंपनी ने इस सुधार का श्रेय प्रोटीन ड्रिंक्स और फंक्शनल स्नैक बार जैसे नए उत्पादों को लॉन्च करने को दिया। हाइड्रेशन ब्रांड ग्लूकॉन-डी ने 58.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अपने सेगमेंट में नेतृत्व बनाए रखा और साथ ही परफॉर्मेंस हाइड्रेशन उत्पादों में भी विस्तार किया।

तनाव मुक्त जीवन और मजबूत शरीर के लिए अपनाएं त्रिकोणासन

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक सक्रियता लगातार घट रही है और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए योग एक बेहतरीन विकल्प है। इन्हीं योगासनों में शामिल 'त्रिकोणासन' एक अत्यंत सरल और प्रभावी आसन है। यह शरीर को तीन दिशाओं में स्ट्रेच (खिंचाव) देकर संतुलन सुधारने में मदद करता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इसके लाभों पर प्रकाश डाला है। मंत्रालय के अनुसार, त्रिकोणासन एक अत्यंत महत्वपूर्ण योगासन है, जिसे करते समय शरीर (हाथ, पैर और धड़) त्रिभुज का आकार बनाता है। यह शरीर को लचीला, संतुलित और शक्तिशाली बनाने के साथ-साथ श्वसन क्षमता को भी बेहतर बनाता है।

त्रिकोणासन डेस्क जॉब करने वालों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं और शरीर के विभिन्न अंगों के बीच तालमेल बेहतर होता है। इस आसन को करने से शरीर को एक खास स्थिरता मिलती है। इससे शरीर के अंदर संतुलन बनाए रखने की क्षमता बढ़ती है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। साथ ही, यह आसन शरीर को लचीला बनाने में भी मदद करता है, जिससे रोजमर्रा के काम करना आसान हो जाता है। शरीर को मोड़ने और स्ट्रेचिंग की प्रक्रिया से पेट के अंग सक्रिय होते हैं, जिससे पाचन बेहतर होता है। जिन लोगों को गैस, अपच या पेट से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, उनके लिए यह आसन फायदेमंद साबित हो सकता है। साथ ही, यह एकाग्रता बढ़ाने में भी मददगार है, जिससे व्यक्ति अपने काम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाता है।इस आसन को करना बेहद लाभदायक है। इसे करने के लिए योगा मैट पर दोनों पैरों को 3 से 4 फीट की दूरी पर फैलाएं।

कहीं 'ईटिंग डिसऑर्डर' से तो नहीं जूझ रहा आपका बच्चा? ऐसे करें पहचान व समाधान

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और सोशल मीडिया के प्रभाव में बच्चे कई शारीरिक व मानसिक समस्याओं की जद में आसानी से आ जा रहे हैं। इन्हीं में से एक गंभीर समस्या है ईटिंग डिसऑर्डर यानी खाने की गड़बड़ी। माता-पिता के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि उनका बच्चा सामान्य रूप से खा-पी रहा है या उसके खाने का रिश्ता अस्वास्थ्यकर हो गया है। यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) के अनुसार, ईटिंग डिसऑर्डर की समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जब किसी बच्चे

का खाने, वजन या व्यायाम के साथ रिश्ता अनहेल्दी हो जाता है, तो इसे ईटिंग डिसऑर्डर कहा जाता है। इसमें बच्चा अपनी सेल्फ-वर्थ या आत्म-मूल्य को अपने वजन या शारीरिक दिखावट के आधार पर आंकने लगता है। खाने के समय घबराहट, बेचैनी या वजन को लेकर अत्यधिक चिंता होना इसके मुख्य लक्षण हैं।

ईटिंग डिसऑर्डर बच्चे की गलती नहीं है। सही समय पर ध्यान और प्यार भरा समर्थन देकर माता-पिता इस समस्या को दूर कर सकते हैं। अगर आपको शंका हो तो तुरंत किसी बच्चे के मनोवैज्ञानिक या डॉक्टर से संपर्क करें। बच्चे से बात करते समय कह सकते हैं- 'अच्छा खाना और खाने का मजा लेना खुद की देखभाल का हिस्सा है। मुझे चिंता है कि तुम अपनी देखभाल ठीक से नहीं कर पा रहे हो, इसलिए हम मदद लेंगे। एक्सपर्ट बताते हैं कि यह समस्या किसी भी उम्र, लिंग, नस्ल या शरीर के आकार वाले बच्चे को हो सकती है। मनोवैज्ञानिक डॉ. लिसा डामूर के हवाले से यूनिसेफ बताता है।

आईपीएल 2026: सीएसके को 5 विकेट से हराकर प्लेऑफ में एसआरएच ने किया टिकट हासिल

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 63वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 5 विकेट से मात दी। इस जीत के साथ एसआरएच ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस टीम के साथ गुजरात टाइटंस (जीटी) ने भी अगले दौर का टिकट पक्का किया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 13 मुकाबलों में 9 जीत के साथ पहले ही प्लेऑफ में प्रवेश कर चुकी थी, जिसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस ने भी शीर्ष-4 में अपनी जगह बना ली है।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 विकेट खोकर 180 रन बनाए। इस टीम ने 48 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (15) ने कार्तिक शर्मा (32) के साथ तीसरे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की।

सीएसके ने 100 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे, जहां से देवाल्ड ब्रेविस ने शिवम दुबे के साथ पांचवें विकेट के लिए 38 गेंदों में 59 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया।

देवाल्ड ब्रेविस 27 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शिवम दुबे ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से पैट कमिंस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। साकिब हुसैन ने 2 विकेट निकाले। इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने 19 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

इस टीम ने महज 18 के स्कोर पर ट्रेविस हेड (6) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद अभिषेक शर्मा ने ईशान किशन के साथ 31 गेंदों में 38 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 56 के स्कोर तक पहुंचाया।

अभिषेक 21 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी इस पारी में 4 बाउंड्री शामिल रहीं। यहां से हेनरिक क्लासेन ने ईशान किशन के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 75 रन जोड़कर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। क्लासेन 26 गेंदो में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 47 रन बनाकर आउट हुए, जहां से ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। किशन 47 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 70 रन की पारी खेलकर आउट हुए, जब तक ईशान का विकेट गिरा, तब तक टीम जीत की दहलीज तक पहुंच गई थी। सलिल अरोड़ा (10) और स्मरण रविचंद्रन (5) ने नाबाद रहते हुए टीम को प्लेऑफ का टिकट दिलाया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा टेटे के हाथों में कमान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय विमेंस हॉकी टीम की घोषणा की। भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4 मुकाबलों की सीरीज खेलनी है, जिसका आगाज 26 मई से होना है। सीरीज के सभी चार मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला मैच 26, दूसरा मुकाबला 27 मई, तीसरा मैच 29 और अंतिम मुकाबला 30 मई को खेला जाएगा। इस दौरे को एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2025-26 के लिहाज से अहम माना जा रहा है, जो 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में होना है।भारतीय टीम इस साल की शुरुआत में अर्जेंटीना में शानदार प्रदर्शन के बाद इस दौरे पर जा रही है, जहां उन्होंने अपनी चार मुकाबलों की सीरीज में दो जीत हासिल करने के लिए कड़ी चुनौती पेश की थी। इसके बाद से भारतीय टीम भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलुरु में नेशनल कैंप में कड़ी ट्रेनिंग कर रही है, और आगे के व्यस्त इंटरनेशनल सीजन की तैयारी के लिए अपने खेल के खास पहलुओं को बेहतर बना रही है। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सलीमा टेटे आने वाले दौरे के लिए टीम की अगुवाई करेंगी। उनके पास सविता, सुशीला चानू पुखरामबम, लालरेमसियामी और नवनीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ सोनम, हिना बानो और लालथंतलुआंगी जैसी रोमांचक युवा प्रतिभाएं भी होंगी। गोलकीपिंग विभाग में सविता और बीचू देवी खारीबाम भरोसेमंद विकल्प होंगी। डिफेंस में, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुआंगी और ज्योति, शिल्पी डबास के साथ खेलेंगी।

भारतीय मूल के गोल्फर एरॉन राय ने अपना पहला पीजीए चैंपियनशिप खिताब जीता

पेंसिल्वेनिया । भारतीय मूल के इंग्लिश गोल्फर एरॉन राय ने पीजीए चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में शानदार प्रदर्शन करते हुए एरॉन राय साल 1919 के बाद पीजीए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले अंग्रेज गोल्फर बने। उनसे पहले जिम बार्न्स यह खिताब जीतने वाले इंग्लिश खिलाड़ी थे।

एरोनिमिंक में राय की जीत ने अब उन्हें गोल्फ के सबसे नए मेजर चैंपियंस की लिस्ट में शामिल कर दिया है। यह इस सीजन के सबसे यादगार फाइनल-राउंड प्रदर्शनों में से एक है।

इंग्लिश गोल्फर ने रविवार के आखिरी राउंड की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ की थी, लेकिन 17वें होल (पार-3) पर उनकी शानदार 'बर्डी पुट' ने ही टूर्नामेंट का नतीजा तय कर दिया था। एक बड़े खिताब का दबाव झेलते हुए, उन्हें 68 फुट की मुश्किल पुट लगानी थी। राय ने गेंद को होल में डाला, जिसके साथ अपने पीछे चल रहे खिलाड़ियों से तीन शॉट आगे निकल गए।

इस पल ने वॉल्वरहैम्प्टन में जन्मे गोल्फर को 18वें होल की ओर बढ़ते समय काफी राहत दी, जहां एक शांत और संयमित 'पार' फिनिश ने उन्हें चैंपियनशिप और प्रतिष्ठित 'वानामेकर ट्रॉफी' दोनों दिला दीं।

राय ने यह सप्ताह 'नाइन-अंडर-पार' पर खत्म किया था। वह दूसरे स्थान पर बराबरी पर रहे खिलाड़ियों के समूह से तीन शॉट आगे रहे। तीसरे राउंड के बाद क्लबहाउस में सबसे आगे चल रहे

एलेक्स स्मैली ने आखिरी राउंड में 'इवन-पार' स्कोर किया और 'सिक्स-अंडर' पर समाप्त किया, उनके साथ जॉन रहम भी रहे, जिन्होंने रविवार को 'टू-अंडर' (68) का स्कोर बनाया था।

आखिरी दिन की शुरुआत राय के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर करने वाले मैट्टी श्मिड निर्णायक दौर में पिछड़ गए और अंतत: लुडविग आबर्ग और जस्टिन थॉमस के साथ 'फाइव-अंडर' पर तीसरे स्थान पर रहे।

2026 का सीजन राय के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उनके लिए यह खिताबी जीत गोल्फ के सबसे बड़े मंचों में से एक पर एक नाटकीय वापसी साबित हुई।

जीत के बाद 31 वर्षीय राय ने कहा, 'यह सब किसी सपने जैसा लग रहा है। यह सीजन काफी निराशाजनक रहा था, इसलिए आज यहां खड़ा होना मेरी सोच से भी परे की बात है। गोल्फ एक शानदार खेल है। यह आपको बहुत-सी चीजें सिखाता है। यह आपको बहुत ज्यादा विनम्रता, अनुशासन और पूरी तरह से कड़ी मेहनत करना सिखाता है, क्योंकि इस खेल में कुछ भी मुफ्त में नहीं मिलता, चाहे आप किसी भी स्तर पर खेल रहे हों, चाहे आप किसी भी कोर्स पर खेल रहे हों। यह जीवन के लिए बहुत सी शानदार सीख देता है। टूर पर मौजूद लगभग हर खिलाड़ी कमाल का इंसान है। इस खेल को उन एम्बेसडर्स पर बहुत गर्व होना चाहिए जो पीजीए टूर और पीजीए ऑफ अमेरिका का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ला लीगा: घरेलू मैदान पर बार्सिलोना ने बनाया 'ऐतिहासिक' रिकॉर्ड, रियल बेटिस को 3-1 से हराया

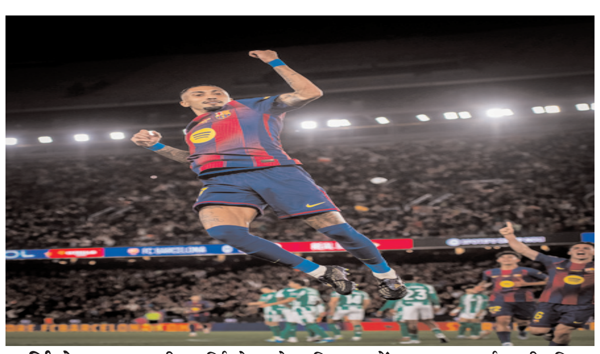

बार्सिलोना । एफसी बार्सिलोना ने अपने टाइटल जीतने वाले ला लीगा सीजन का अंत यादगार अंदाज में किया। राफिन्हा के दो गोल की मदद से टीम ने रियल बेटिस को 3-1 से हराया। इस जीत से बार्सिलोना 38 मुकाबलों वाले ला लीगा सीजन में अपने घर में सभी 19 मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई।

पिछले सप्ताहांत रियल मैड्रिड को हराकर चैंपियनशिप पक्की करने के बाद, बार्सिलोना ने हैंसी फ्लिक के नेतृत्व में अपने घरेलू फैंस के सामने एक और जबरदस्त प्रदर्शन के साथ अपनी शानदार फॉर्म बनाए रखी। राफिन्हा ने 28वें मिनट में एक स्मार्ट फ्री-किक लेकर बढ़त बनाई, जिससे बेटिस के गोलकीपर अल्वारो वैलेस अपने नजदीकी पोस्ट पर हैरान रह गए। ब्राजील के इस खिलाड़ी ने घंटे भर बाद बार्सिलोना की बढ़त दोगुनी कर दी। उन्होंने बेटिस के कप्तान हेक्टर बेलेरिन के एक ढीले पास का फायदा उठाया और आसानी से गोल कर दिया।

बेटिस ने थोड़ी देर के लिए वापसी की उम्मीद जगाई, जब बार्सिलोना के मिडफील्डर गैवी ने बॉक्स में इस्को पर फाउल किया। मैड्रिड के पूर्व खिलाड़ी ने मिली पेनल्टी को गोल में तब्दील कर दिया।

पहलवानी के माहौल में पले-बढ़े दीपक पूनिया, जिन्होंने छोटी-सी उम्र में सभी को चौंकाया

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने अपने दमखम से पूरी दुनिया में नाम रोशन किया है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2020 में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके रेसलर दीपक की कहानी बेहद प्रेरणादायी रही है।

19 मई 1999 को हरियाणा के झज्जर के छारा कस्बे में जन्मे दीपक पूनिया कुश्ती के ही माहौल में पले-बढ़े। पिता सुभाष खुद एक पहलवान रह चुके थे, जिनसे नन्हे दीपक को प्रेरणा मिली।

पिता ही दीपक के पहले गुरु थे। महज 5 साल की उम्र में पिता ने दीपक को अखाड़े में दाखिला दिलाया। दूध पीने के शौकीन दीपक ने अपनी ताकत से सभी को चौंकाया। दंगल में उन्होंने कई बार नकद पुरस्कार भी जीते।

स्कूल स्तरीय मीट के दौरान छत्रसाल स्टेडियम के एक कोच ने दीपक की प्रतिभा को पहचाना। हालांकि, मिट्टी पर कुश्ती लड़ने वाले दीपक के लिए सिंथेटिक मैट पर दांव लगाना बेहद मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इसे अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया।

साल 2016 में दीपक ने जूनियर एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड अपने नाम किया, जिसके बाद वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप में एक और गोल्ड जीता।

एशियन जूनियर चैंपियनशिप 2018 में दीपक ने एक बार फिर गोल्ड अपन नाम किया और वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2018 में सिल्वर जीतकर अपनी शानदार छाप छोड़ी। साल 2019 में दीपक पूनिया ने जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती। दीपक साल 2001 के बाद इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय थे।

दीपक पूनिया 2020 टोक्यो ओलंपिक में पुरुष 86 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मैच तक पहुंचे, जहां सैन मैरिनो के माइल्स अमीन से हार का सामना करना पड़ा। दीपक पूनिया को अप्रैल 2024 में बिश्केक (किर्गिस्तान) में आयोजित एशियन ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि वह दुबई में भारी बारिश के कारण फ्लाइट में देरी होने के कारण समय पर 'वेट-इन' के लिए रिपोर्ट नहीं कर पाए थे। दीपक ने मई 2024 में वर्ल्ड क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिए ओलंपिक टिकट पाने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफल नहीं रह सके।

साल 2021 और 2022 के एशियन चैंपियनशिप में दीपक पूनिया ने सिल्वर मेडल अपने नाम किए। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में गोल्ड मेडल जीतने वाले दीपक ने एशियन चैंपियनशिप में 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं। साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर मेहनत, अनुशासन और संघर्ष के दम पर विश्व स्तर पर पहचान बनाने वाले दीपक पूनिया सैकड़ों भारतीय युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं।

जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने से लेकर विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतकर उन्होंने साबित किया कि समर्पण और आत्मविश्वास से हर सपना साकार किया जा सकता है।

जैनिक सिनर ने इटैलियन ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास, फाइनल में कैस्पर रूड को हराया

रोम। जैनिक सिनर ने रविवार को इटैलियन ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह 1976 में एड्रियानो पनाटा के बाद इस खिताब को जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने हैं। फाइनल मुकाबले में सिनर ने कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर लगातार छठा एटीपी मास्टर्स 1000 टाइटल जीता।

1 घंटे 44 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करके नोवाक जोकोविच के बाद सिनर एटीपी इतिहास में करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा करने वाला सिर्फ दूसरा खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने अब सभी एटीपी मास्टर्स 1000 टाइटल जीत लिए हैं। जोकोविच ने 2018 में सिनसिनाटी जीतने के बाद यह कामयाबी हासिल की थी।

सिनर ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि यह 50वां साल था जब किसी इटैलियन ने जीत हासिल की और मैं सच में बहुत खुश हूं। दोनों तरफ बहुत टेंशन थी; हम दोनों का टेनिस परफेक्ट नहीं था, लेकिन मैं जीत दर्ज करने के बाद काफी खुश हूं। पिछले ढाई महीने बहुत अच्छे रहे हैं। मैं हर बार खुद को सबसे अच्छी पोजीशन में रखने की कोशिश करता हूं और जितना हो सके उतना अच्छा करता हूं। हर दिन आसान नहीं होता, लेकिन मैं सच में बहुत, बहुत खुश हूं। खचाखच भरी भीड़ के शानदार समर्थन के बीच सिनर ने धीमी शुरुआत से वापसी करते हुए अपना 10वां मास्टर्स 1000 खिताब और रोम में पहला टाइटल जीता। शुरुआत में कैस्पर रूड ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन इटली के खिलाड़ी ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनाई। बेसलाइन से लगातार गहरे और सटीक शॉट्स लगाकर सिनर ने फाइनल मैच का रुख पलटा और यादगार जीत हासिल की। फाइनल का रुख अपने पक्ष में कर लिया और आखिरकार जीत हासिल की। ??24 साल के खिलाड़ी ने जीत पक्की करने के बाद अपने हाथ ऊपर उठाए, माहौल का आनंद लिया और फिर कोर्टसाइड पर अपनी टीम के साथ जश्न मनाने पहुंच गए।

भारत के लिए खेलने से पहले वैभव सूर्यवंशी को फील्डिंग सुधारनी होगी: मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि भारत की सीनियर नेशनल मेंस टीम के लिए खेलने से पहले 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अपनी फील्डिंग स्किल्स को बेहतर करने की जरूरत है।

रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी इस मुकाबले में खराब फील्डिंग करते हुए दिखाई दिए, जिसके चलते आरआर के गेंदबाज डीसी के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सके। डीसी ने 193 रनों के लक्ष्य को आसानी से चेज कर लिया।

कैफ ने 'जियोहॉटस्टार' संग बात करते हुए कहा, 'मेरा मानना ??है कि स्काउट्स को खिलाड़ियों की स्काउटिंग करते समय फील्डिंग

टेस्ट भी लेना चाहिए। स्काउट्स सही खिलाड़ी ला रहे हैं; वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन मैंने वैभव सूर्यवंशी को अभी तक एक भी कैच लेते नहीं देखा है। अगर वह भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी। उन्हें पहले वह फील्डिंग टेस्ट पास करना होगा। कैफ ने आगे कहा, 'जो गेंद उनकी तरफ आई वह अच्छी ऊंचाई पर थी। मैं समझता हूं कि जब कोई बल्लेबाज फ्लिक शॉट खेलता है, तो कैच लेना कभी-कभी फील्डर के लिए मुश्किल हो सकता है क्योंकि यह एक ब्लाइंड स्पॉट बन जाता है, खासकर जब गेंद बल्ले से लगती है। हालांकि, साहिल पारख ने जो शॉट खेला, उसमें गेंद सूर्यवंशी के पास अच्छी ऊंचाई पर आई थी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि सूर्यवंशी फील्डिंग के लिहाज से अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'सूर्यवंशी ने उस कैच को लेने के लिए सही पोजीशन में आकर बहुत अच्छा काम किया, लेकिन वह इस कैच को पूरा नहीं कर सके। सूर्यवंशी को वह कैच लेने के लिए कूदने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्हें बस इसे अपनी कमर के पास लेना था, लेकिन वह चूक गए। वैभव बल्ले से वाकई टैलेंटेड है, इसमें कोई शक नहीं, पर जब फील्डिंग की बात आती है।

आर्थिक तंगी, सुविधाओं का अभाव, लेकिन कुछ कर गुजरने की जिद ने रोनाल्डो को बनाया 'फुटबॉल का जादूगर'

नई दिल्ली। कहते हैं कि किसी चीज की सही अहमियत उसी इंसान को पता होती है, जिसने वर्षों से उसके लिए इंतजार किया हो। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। रोनाल्डो का बचपन गरीबी में गुजरा। एक समय ऐसा भी था, जब रोनाल्डो के घर में खाने तक के पैसे नहीं थे। मां दूसरों के घर में काम करती थी। हालांकि, रोनाल्डो हालातों के आगे झुके नहीं, बल्कि इनसे लड़ने का फैसला किया।

बचपन से ही रोनाल्डो ने घर चलाने में अपनी मां की हरसंभव मदद करने की कोशिश की। उनका दाखिला स्कूल में कराया गया, लेकिन एक बार शिक्षक से विवाद होने के बाद उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। रोनाल्डो की फुटबॉल में

शुरुआत से ही खास रुचि थी। वह राह चलते किसी भी चीज को उठाकर प्रैक्टिस करने लगे। इस खेल के प्रति उनकी दीवानगी बढ़ती चली गई और 8 साल की उम्र में उन्होंने स्थानीय क्लब एंडोरिन्हा से खेलना शुरू कर दिया। इसके बाद रोनाल्डो पूरी तरह फुटबॉल में रम गए।

12 साल की उम्र में रोनाल्डो को घर से दूर जाना पड़ा और उनका दाखिला स्पोर्टिंग लिस्बन एकेडमी में कराया गया। इस अकादमी में उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाया और अपने खेल को भी निखारा। 18 वर्ष की उम्र में रोनाल्डो की मैनचेस्टर यूनाइटेड में एंट्री हुई। क्लब ने इस युवा फुटबॉलर की काबिलियत को देखते हुए उन्हें 17 मिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीदा, और बस यहीं से रोनाल्डो की जिंदगी बदल गई।

कहा जाता है कि स्पोर्टिंग सीपी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच हुए दोस्ताना मैच में रोनाल्डो ने अपने बेहतरीन खेल से क्लब के मैनेजर सर एलेक्स फर्ग्यूसन को हैरान कर दिया था। रोनाल्डो को मैनचेस्टर यूनाइटेड में 7 नंबर की जर्सी दी गई। साल 2003 में ही रोनाल्डो ने पुर्तगाल की ओर से कजाकिस्तान के खिलाफ हुए एक मैत्रीपूर्ण इंटरनेशनल मुकाबले में अपना डेब्यू किया। 2004 में हुई यूरोपीय चैंपियनशिप में रोनाल्डो अपने खेल के दम पर लोगों का ध्यान इंटरनेशनल स्तर पर खींचने में सफल रहे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415